साध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 9 • अंकः 294 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, मंगलवार, 5 दिसम्बर, 2023

जो कोई भी सीखना छोड़ देता है वो बूढ़ा है, चाहे वो बीस का हो या अस्सी का। जो कोई भी सीखता रहता है वो जवान है। दुनिया की सबसे महान चीज है अपने दिमाग को युवा बनाये रखना।

-हेनरी फ़ोर्ड

जोकोविच बने दुनिया में नंबर... 7 | मतगणना खत्म, सियासी दलों का... 3 | गठबंधन की बैठक में अखिलेश की... 2

सत्र के दूसरे दिन भी विपक्ष के निशाने पर मोदी सरकार

» शीतकालीन सत्र : सत्ता पक्ष व विपक्ष में हुई तीखी बहस

» संसद की कार्यवाही स्थगित, आचार समिति की रिपोर्ट होगी पेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र का दूसरा दिन भी हंगामेदार रहा। सत्ता पक्ष व विपक्ष के बहस के चलते राज्य सभा व लोक सभा की कार्रवाई दोपहर तक के लिए स्थगित कर दी गई। पूरे विपक्ष ने बेरोजगारी, महंगाई, सेना को लेकर मोदी सरकार को घेरा। दूसरे दिन पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में घिरी टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ संसद की आचार समिति की रिपोर्ट संसद में पेश की जा सकती है।

विपक्षी सांसदों की मांग है कि इस रिपोर्ट पर कोई भी फैसला लेने से पहले इस पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि आचार समिति की रिपोर्ट में महुआ मोइत्रा को संसद सदस्यता से निष्कासित करने की सिफारिश की गई है।

कई बिल होंगे पेश

संसद की कार्यवाही शुरू हो गई है। राज्यसभा में भारत की आर्थिक स्थिति पर भी चर्चा हो सकती है। इस चर्चा में टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन, भाजपा को सुशील कुमार मोदी और वाईएसआर के विजयसाई रेड्डी शामिल होंगे। शीत कालीन सत्र के दूसरे दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू कश्मीर रिजर्वेशन एक्ट 2004 और जम्मू कश्मीर रीऑर्गेनाइजेशन एक्ट 2019 को आज लोकसभा में पेश कर सकते हैं। रिजर्वेशन एक्ट से राज्य सरकार की नौकरियों, कॉलेज एडमिशन में आरक्षण व्यवस्था लागू हो सकेगी। वहीं जम्मू कश्मीर रीऑर्गेनाइजेशन एक्ट 2019 की मदद से जम्मू कश्मीर और लद्दाख का पुनर्गठन किया जाएगा। इसकी मदद से जम्मू कश्मीर में विधानसभा सीटें 83 से बढ़कर 90 हो जाएंगी। साथ ही सात सीटें अनुसूचित जाति और 9 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए भी आरक्षित की जाएंगी।

महुआ को साजिश के तहत बनाया जा रहा निशाना : जयराम

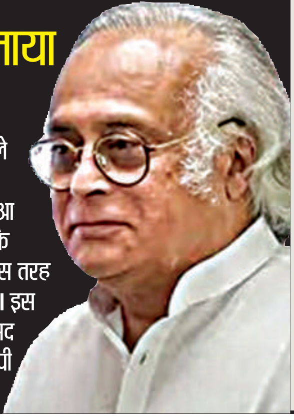

महुआ मोइत्रा के समर्थन में उतरी कांग्रेस। जयराम रमेश बोले राजनीतिक साजिश के तहत महुआ मोइत्रा को बनाया जा रहा निशाना। झारखंड मुक्ति मोर्चा की सांसद महुआ माझी ने महुआ मोइत्रा मामले पर कहा कि उन्हें प्रताड़ना झेलनी पड़ी है क्योंकि उनके खिलाफ लगे आरोप साबित भी नहीं हुए हैं। साथ ही जिस तरह से उनसे आचार समिति ने सवाल किए वो भी आपत्तिजनक थे। इस मामले को बेवजह तूल दिया जा रहा है। उधर इससे पहले संसद भवन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह,एनसीपी चीफ शरद पवार भी पहुंचे।

गठबंधन की बैठक टली, ममता-नीतीश समेत कई नेताओं ने आने में जताई असमर्थता

नई दिल्ली। भाजपा के खिलाफ एकजुट हुए विपक्षी दलों के गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) की छह दिसंबर को होने वाली बैठक टल गई है। बताया गया है कि गठबंधन की कुछ पार्टियों के प्रमुख नेताओं के बैठक में न आ पाने के चलते बैठक को फिलहाल स्थगित करने का फैसला किया गया। कांग्रेस के सूत्रों के मुताबिक, अब छह दिसंबर को शाम छह बजे इंडिया गठबंधन में शामिल पार्टियों के सांसदों की बैठक आयोजित की जाएगी। बाद में दिसंबर के तीसरे हफ्ते में मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर इस गठबंधन के प्रमुख नेताओं की औपचारिक समन्वय बैठक होगी। गौरतलब है कि सपा नेता अखिलेश यादव और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने पहले ही इंडिया की बैठक में जाने में असमर्थता जताई थी। इसके बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक के नेता एमके स्टालिन ने चक्रवात के कारण पैदा हुए हालात के चलते बैठक में शामिल नहीं हो सकते थे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अस्वस्थ हैं तथा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के परिवार में वैवाहिक कार्यक्रम है। ऐसे में आगे की तिथि के लिए बैठक को स्थगित किया गया है।

अखिलेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत

» चार्जशीट पर रोक, दादरी थाने में दर्ज हुआ था मुकदमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को इलाहाबाद हाईकोर्ट से मंगलवार को बड़ी राहत मिली। फरवरी 2022 में अखिलेश यादव समेत अन्य के खिलाफ नोएडा के दादरी थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। कोर्ट ने चार्जशीट और अपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी है। अखिलेश यादव समेत अन्य के खिलाफ बगैर अनुमति भारी भीड़ के साथ जुलूस निकालने का आरोप लगा था।

आचार संहिता उल्लंघन और कोविड 19 के नियमों के उल्लंघन के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस ने जांच के बाद चार्जशीट दाखिल की थी। कोर्ट ने पुलिस चार्जशीट मामले पर संज्ञान लिया था। जिसके बाद अखिलेश ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर चार्जशीट को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए चार्जशीट और अपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी। आचार संहिता के उल्लंघन मामले में सपा अध्यक्ष और जयंत समेत 400 कार्यकर्ताओं के खिलाफ दादरी में मुकदमा दर्ज हुआ था।

जीते हुए राज्यों में सीएम को लेकर माथापच्ची जारी

» राजे से मिले 70 विधायक मप्र व छत्तीसगढ़ में बहस तेलंगाना में रेंवत पर रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। पांच राज्यों में चुनाव परिणाम आ चुके है। जहां राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में भाजपा शीर्ष नेतृत्व सीएम के लिए बैठक पर बैठक कर रहा है वहीं तेलंगाना में भी कांग्रेस मुख्यमंत्री के लिए मंथन में जुटी है। हालांकि मिजोरम में चूकि जेडपीएम को बहुमत मिल चुका है वंहा पर पार्टी के संस्थापक लालदुहोमा ही सीएम बनेंगे।

उधर राजस्थान में स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद से मुख्यमंत्री के नामों को लेकर अटकलों का बाजार गरमा गया है। वसुंधरा राजे से लेकर अन्य नेता भी सक्रिय हो गए हैं। भाजपा की संसदीय बोर्ड की बैठक में किसके नाम पर मुहर लगेगी, वह एक-दो दिन में तय हो जाएगा। इस बीच, मेल-मुलाकातों का दौर तेज हो गया है। वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे के समर्थकों ने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री ने सोमवार और मंगलवार को 70 विधायकों से मुलाकात की है। इन सभी विधायकों ने वसुंधरा के दावे को समर्थन किया है। सूत्रों का कहना है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, दीया कुमारी और बाबा बालकनाथ के नाम भी चर्चा में हैं। वसुंधरा के समर्थक और आठ बार के विधायक कालीचरण सराफ ने दावा किया है कि उनसे 70 विधायकों ने मुलाकात की है।

गठबंधन की बैठक में अखिलेश की जगह रामगोपाल लेंगे हिस्सा

» बुधवार को दिल्ली में खरगे ने बुलाई बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विपक्षी समावेशी गठबंधन इंडिया की छह दिसंबर को दिल्ली में होने वाली बैठक में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव हिस्सा नहीं लेंगे। इंडिया के शीर्ष नेताओं की यह चौथी बैठक है और इससे पहले की तीनों बैठक में अखिलेश शामिल हुए थे। इसे मध्य प्रदेश चुनाव से पैदा हुई रार से जोड़कर देखा जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इंडिया के सभी 28 घटक दलों को बैठक में बुलाया है। इस संबंध में उनकी अखिलेश यादव से भी बात हुई है। सपा सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में अखिलेश यादव हिस्सा नहीं लेंगे।

अलबत्ता पार्टी की ओर से प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव के हिस्सा लेने की बात कही जा रही है। अखिलेश यादव मध्य प्रदेश में कांग्रेस के चुनावी गठबंधन न किए जाने के फैसले की सार्वजनिक मंचों से आलोचना कर चुके हैं। उनका कहना था कि इस संबंध में देर रात तक वार्ता किए जाने के बाद ऐन वक्त पर सीटें देने से इंकार करना धोखा दिए जाने के समान है। अखिलेश ने मध्य प्रदेश चुनाव में प्रचार के दौरान भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस पर भी खूब निशाने साधे थे। यहां तक कहा था कि भाजपा और कांग्रेस में कोई बुनियादी फर्क नहीं है। देश में सिर्फ कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश तक सिमटने से इंडिया गठबंधन में कांग्रेस की स्थिति कमतर हुई है। सपा और तृणमूल समेत क्षेत्रीय शक्तियों को लग रहा है कि जब कांग्रेस लगातार कमजोर हो रही है, तो उसके साथ बने रहने या उसे लोकसभा चुनाव में ज्यादा सीटें देने से कोई फायदा नहीं है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने भी कटाक्ष किया है कि तीन माह बाद कांग्रेस को इंडिया गठबंधन की याद आई है, जब वह तीन राज्यों का चुनाव हार चुकी है।

सपा-कांग्रेस की तकरार का फायदा उठाने की कोशिश में भाजपा

लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को फेल करने की भाजपा की रणनीति सफल रही तो सपा और कांग्रेस की तकरार का फायदा पार्टी को मिलेगा। वहीं, तीन राज्यों की जीत भाजपा के लिए उत्साह के साथ 2024 में मिशन 80 को पूरा करने की चुनौती भी है। सपा और कांग्रेस दोनों ही इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं। लेकिन मध्यप्रदेश और राजस्थान के चुनाव में दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ प्रत्याशी मैदान में उतारे थे। इससे भाजपा को एमपी में इंडिया गठबंधन के खिलाफ माहौल बनाने में बड़ी मदद मिली। हालांकि, दोनों दलों की ओर से यह तर्क दिया गया था कि इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक लोकसभा चुनाव में भी यदि प्रदेश में सपा, बसपा और कांग्रेस ने अलग-अलग चुनाव लड़ा तो पार्टी इसका पूरा फायदा उठाएगी। विधानसभा चुनाव में तीनों विपक्षी दलों के अलग चुनाव लड़ने से पार्टी को मजबूती मिली थी। खासतौर पर बसपा के मुस्लिम उम्मीदवार उतारने का सबसे अधिक नुकसान सपा को ही होगा। कांग्रेस के उम्मीदवार भाजपा के साथ सपा के भी वोट काटेंगे। उधर, पार्टी के नेताओं का एक वर्ग सपा को झटका देने के लिए रालोद से गठबंधन करने पर जोर दे रहा है।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस ने करारी हार के बाद कमलनाथ से प्रदेश अध्यक्ष पद से मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ पर गाज गिरी है। सूत्रों के अनुसार पार्टी ने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद छोड़ने के लिए कहा है। गौरतलब है कि कमलनाथ लंबे समय से मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष थे, साथ ही पार्टी की तरफ से वो मुख्यमंत्री के भी चेहरे थे, हालांकि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को मध्यप्रदेश में बड़ी हार का सामना करना पड़ा। रविवार को जारी चुनाव परिणाम में बीजेपी को 163 सीटें और कांग्रेस को मात्र 66 सीटों पर ही जीत मिली। बीजेपी को 57 सीटों का इस चुनाव में लाभ मिला. भाजपा के हिंदू विरोधी आरोप का जवाब देने के लिए कमलनाथ ने साधुओं से मुलाकात की और देवताओं की मूर्तियां बनवाईं. चुनावों से पहले, धार्मिक और उत्सव प्रकोष्ठ के गठन के साथ पार्टी के धार्मिक कार्यक्रमों की मात्रा बढ़ गई।

राज्य की मांग पर समयबद्ध समाधान का मिला केंद्र से आश्वासन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार और लद्दाख के नेताओं के बीच जारी गतिरोध खत्म हो गया है, उच्चाधिकार प्राप्त समिति के नेताओं और गृह मंत्रालय के अधिकारियों के बीच को दिल्ली में पहले दौर की वार्ता हुई, ये समूह लद्दाख के लिए अलग राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची (जो आदिवासी समुदायों को स्वायत्तता प्रदान करती है) की तर्ज पर संवैधानिक सुरक्षा उपाय, लोक सेवा आयोग का गठन, लद्दाखियों के लिए नौकरियों में आरक्षण और लेह तथा कारगिल के लिए दो अलग संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के निर्माण की मांग कर रहे हैं, गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने प्रतिनिधियों से विरोध प्रदर्शन न करने की अपील की और उन्हें समयबद्ध समाधान निकाले जाने का आश्वासन दिया। एचपीसी में एपेक्स बॉडी लेह (एबीएल) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के प्रमुख प्रतिनिधि शामिल हैं।

रवि शास्त्री ने की मोदी की प्रशंसा

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री से जातीय संघर्षग्रस्त मणिपुर की स्थिति पर बोलने के लिए कहा, जिसके तुरंत बाद उन्होंने तीन राज्यों में भाजपा की चुनावी सफलता के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की। मणिपुर 3 मई से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय झड़पों से भड़का हुआ है। झड़पों में कम से कम 182 लोग मारे गए हैं और लगभग 50,000 बेघर हो गए हैं। ऐसे में मणिपुर में दोनों समुदाय के लोख खौम में जिंदगी जी रहे हैं। हर वक्त किसी गोली का शिकार होने का डल वहा के लोग मेहसूस करते रहते हैं। मणिपुर एक बेहद ही बुरे दौर से गुजर रहा हैं। इस मुद्दे को पर ज्यादा बात नहीं होती है न मीडिया में इस पर वहस।

कीरू हाइड्रो पावर में बाइस सौ करोड़ का भ्रष्टाचार : मलिक

» दिल्ली समेत चार शहरों में सीबीआई के छापे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जम्मू-कश्मीर की कीरू जल विद्युत परियोजना में रिश्वतखोरी के मामले में चार शहरों में छह ठिकानों पर छापे मारे। परियोजना के लोक निर्माण कार्य के लिए 2,200 करोड़ रुपये का ठेका दिया गया था, जिसके खिलाफ राज्य के तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने आवाज उठाई थी। सत्यपाल मलिक ने दो परियोजनाओं को मंजूरी के एवज में 300 करोड़ रुपये की रिश्वत की पेशकश की शिकायत की थी।

मामले में दो निजी व्यक्ति कंवलजीत सिंह दुग्गल और डीपी सिंह जांच के घेरे में हैं। अधिकारियों ने बताया कि आईटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लि. के कंवलजीत और डीपी के तीन ठिकानों के अलावा कंपनी के दिल्ली, शिमला, नोएडा व चंडीगढ़ स्थित ठिकानों पर छापे मारे गए। इस मामले में सीबीआई ने पिछले वर्ष 21 अप्रैल, 6 जुलाई और इस वर्ष 17 मई को भी तलाशी ली थी। मलिक ने आरोप लगाया था कि एक फाइल में आरएसएस के एक बड़े कार्यकर्ता की दिलचस्पी थी। सीबीआई जांच में कीरू परियोजना में घोटाले का पर्दाफाश हुआ।

पूरे देश को मिले सस्ती एलपीजी : आप

» आप ने दी भाजपा को तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव में जीत की बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नई दिल्ली। तीन राज्यों में भाजपा की जीत पर आम आदमी पार्टी ने बधाई दी है। साथ ही कहा कि भाजपा को अपने वादों पर खरा उतरना चाहिए। आप को उम्मीद है कि भाजपा मुख्यमंत्री लाडली बहना आवास योजना के तहत घर उपलब्ध कराएगी। साथ ही 450 रुपये में रसोई गैस उपलब्ध कराएगी। हमारी मांग है कि सस्ती एलपीजी पूरे देश के लिए उपलब्ध करायी जानी चाहिए और इसे तीन राज्यों तक ही सीमित नहीं रखा जाना चाहिए।

वहीं तेलंगाना में शानदार जीत के लिए कांग्रेस को भी बधाई देते हैं। तीनों राज्यों में से किसी भी राज्य पार्टी एक प्रतिशत का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकी। खास बात यह है कि तीनों राज्यों में उसका मत प्रतिशत नोटा से भी कम रहा।

उसे अधिक मत छत्तीसगढ़ में मिले, जबकि राजस्थान में सबसे कम मत प्राप्त हुए।आप को छत्तीसगढ़ में पार्टी को 0.94 प्रतिशत मत प्राप्त हुए है, वहीं मध्य प्रदेश में 0.51 प्रतिशत और राजस्थान में 0.38 प्रतिशत तक मत मिले है। जबकि नोटा का बटन छत्तीसगढ़ में 1.27 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 0.99 प्रतिशत और राजस्थान में 0.96 प्रतिशत लोगों ने दबाया।

तीनों राज्यों में हार की समीक्षा करेगा आप

दिल्ली व पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी की गोवा व गुजरात की तरह राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में खाता खुलने की मंशा पूरी नहीं हुई। वह अब हार के कारणों का पता लगाएगी। इन तीनों राज्यों के चुनाव में आप के सभी उम्मीदवार चुनाव हार गए। अधिकतर उम्मीदवारों की जमानत भी जब्त हो गई। आप ने तीनों राज्यों की 520 सीटों में से 215 पर उम्मीदवार उतारे थे। आम आदमी पार्टी ने राजस्थान की 200 सीटों में से 88, मध्य प्रदेश की 230 सीटों में से 70 उम्मीदवार उतारे थे, वहीं छत्तीसगढ़ में 90 सीटों में से 57 उम्मीदवार चुनावी दंगल में उतारे थे।

नई रणनीति के साथ उतरेंगे मैदान में : अजय

» कांग्रेस कर रही बैठक, जनांदोलन तेज करने की योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मंगलवार कांग्रेस ने बैठक कर यूपी में नई रणनीति पर काम करने की रणनीति बनानी शुरू कर दी है। पार्टी ने मन बनाया कि वह पूरे प्रदेश में बड़े स्तर पर जनांदोलन शुरू करेगी। ऐसा माना जा रहा है कि तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में मात खाने के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अपनी रणनीति बदल दी है। अब पार्टी प्रदेश में नए सिरे से जनांदोलन शुरू करेगी। इसमें बूथ प्रबंधन के साथ ही जनआंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी।

पार्टी के वरिष्ठ नेता यह भी भरोसा दिलाएंगे कि तीन राज्यों में भले ही परिणाम पक्ष में नहीं है, लेकिन उत्तर प्रदेश की तैयारी और तेज की जाएगी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि प्रदेश कार्यकारिणी की पहली बैठक में कई अहम फैसले लिए जाएंगे। इसके तहत फ्रंटल संगठन अलग-अलग मोर्चे पर कार्य करेंगे। मुख्य कमेटी पदयात्रा सहित अन्य जनआंदोलन से जुड़े कार्यक्रम शुरू करेगी। इसको लेकर मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक बुलाई गई है। कांग्रेस की कोशिश है कि किसी तरह से उत्तर प्रदेश में नए सिरे से सियासी जमीन तैयार की जाए। इसके लिए पार्टी के पिछड़ा वर्ग विभाग की ओर से जातीय जनगणना कराने, आरक्षण का दायरा बढ़ाने के लिए विभिन्न जिलों में सम्मेलन किए जा रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश कार्यकारिणी घोषित होने के बाद मंगलवार को पहली बैठक हो रही है। बैठक कई मायने में अहम होगी। जहां पूरी कार्यकारिणी को एक-दूसरे से वाकिफ कराया जाएगा, वहीं भविष्य की रणनीति भी तैयार की जाएगी। सूत्रों का कहना है कि इस बैठक में क्षेत्रवार पदयात्रा शुरू करने पर भी चर्चा होगी। इसी तरह जिलेवार कानून-व्यवस्था, महंगाई सहित अन्य समस्याओं को लेकर धरना-प्रदर्शन शुरू करने, किसानों के मुद्दे को लेकर सम्मेलन करने, छात्रों व युवाओं के बीच पैठ बढ़ाने की भी रणनीति तैयार होगी।

मुस्लिमों के बीच रचनात्मक कार्यों के जरिए पैठ बनाने की कोशिश

अल्पसंख्यक विभाग भी मुस्लिमों के बीच रचनात्मक कार्यों के जरिए पैठ बना रहा है। दलितों को लुभाने के लिए दलित गौरव संवाद कार्यक्रम चल रहा है। इसके तहत सपा, रालोद सहित विभिन्न दलों के तमाम नेताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ली। अब यहां के कार्यकर्ताओं को तीन राज्यों के चुनाव परिणाम की वजह से आने वाली निराशा से बचाने की कवायद शुरू हो गई है। कोशिश है कि जन आंदोलन के जरिए लोगों को जोड़ा जाए। विभिन्न राज्यों के चुनाव परिणाम से साफ हो गया है कि भाजपा से मुकाबला सिर्फ कांग्रेस ही ले सकती है।

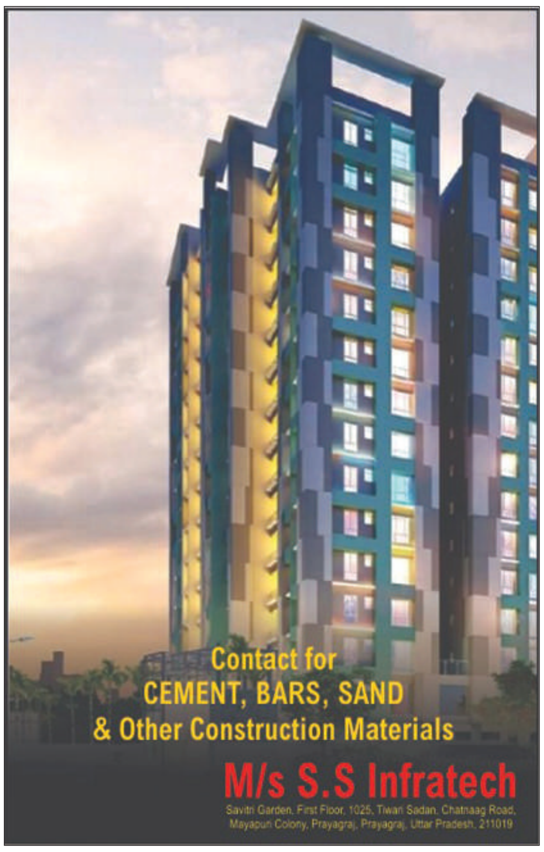

मतगणना खत्म, सियासी दलों का मंथन शुरू

- » हारे हुए सीटों पर चर्चा करेंगे नेता
- » भाजपा, कांग्रेस व अन्य सभी दल आगे बढ़
- » अब लोस 2024 की तैयारी में लगे
- » क्षेत्रीय दलों ने बनाया समीक्षा का मन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणामों ने बड़े सियासी दलों की परिस्थितियां तो बदल ही दीं। सभी दल अपनी समीक्षा में जुट गए है। कांग्रेस जहां 6 को इंडिया की बैठक बुलाने की तैयारी कर रही है वहीं सहयोगी दल भी मंथन में लग गए हैं। हालांकि कुछ नेता चुनावी मतगणना पर सवाल भी उठा रहे है। साथ सभी राज्यों में सीएम के चेहरे पर भी चर्चा हो रही । दो-तीन दिनों में सारे राज्यों में फैसला हो जाएगा कि कौन प्रदेशों का मुखिया बनता है। इस चुनाव में साथ ही साथ उन छोटे दलों की भी दशा और दिशा बदल दी, जो बड़े सियासी उलटफेर का दावा करते थे।

समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और आम आदमी पार्टी से लेकर कई अन्य दल मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में बड़े सियासी उलट फेर का दावा कर रहे थे। सियासी गलियारों में अनुमान यही लगाया जा रहा था, अगर यह राजनीतिक दल किसी भी तरीके से कुछ महत्वपूर्ण सीटों पर हराने-जिताने जैसा बड़ा उलटफेर कर सकेंगे, तो लोकसभा चुनावों के लिहाज से उनकी अहमियत विपक्षी दलों के गठबंधन में ज्यादा हो जाएगी। लेकिन चुनाव परिणाम के बाद आई तस्वीर ने सब कुछ साफ कर दिया।

जदयू ने दी कांग्रेस को नसीहत

क्षेत्रीय दलों व इंडिया के सहयोगियों ने कांग्रेस नेतृत्व को नसीहत देते हुए कहा कि क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के बगैर, सामाजिक न्याय और समाजवादी विचाराधारा वाले ताकतों के बिना साथ लिये कांग्रेस पार्टी भारतीय जनता पार्टी को नहीं हरा सकती है। केसी त्याग ने कहा कि ओबीसी का आंदोलन नहीं हारा है, केवल कांग्रेस पार्टी चुनाव में हारी है। ओबीसी बड़ी ताकत है और वह आंदोलन नहीं हार सकता। सीतामढ़ी से जदयू के सांसद सुनील कुमार पिंटू ने विधानसभा चुनावों में हार के लिए कांग्रेस पार्टी के नेताओं के अहंकार को जिम्मेवार ठहराया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने अपने सहयोगियों को भाव नहीं दिया। वर्चस्व दिखाने में सहयोगियों को नजर अंदाज (इग्नोर) किया। उन्होंने कहा कि इसकी वजह से कांग्रेस पार्टी की करारी हार हुई। अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को आइएनडीआइए की बैठक बुलाने की याद आई है। 2024 के लोकसभा में अगर कांग्रेस पार्टी सुप्रीमो बनने का प्रयास करेगी तो उस लोकसभा चुनाव का भी यही परिणाम होगा। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को क्षेत्रीय पार्टियों के पीछे बैकफुट पर आना होगा।

बसपा : मप्र-छत्तीसगढ़ में रही खाली हाथ, राजस्थान में नीचे गिरा ग्राफ

चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे बहुजन समाज पार्टी की उम्मीदों से इतर आए हैं। राजस्थान में पिछले बार छह सीटें जीतने वाली बसपा को इस बार यहां महज दो सीटों से संतोष करना पड़ा है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गोण्डवाना गणतंत्र पार्टी से गठबंधन के बावजूद उसे निराशा ही हाथ लगी है। पिछले विधानसभा चुनाव में बसपा को राजस्थान में छह, मप्र में दो और छत्तीसगढ़ में दो सीटें मिली थीं। हालांकि तीनों राज्यों में बसपा को सपा से अधिक वोट मिले हैं। बसपा ने अपना जनाधार बढ़ाने के लिए मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में अपने प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारा था। पार्टी के नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद बीते कई महीनों से छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में बसपा संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार जनसभाएं कर रहे थे। बसपा सुप्रीमो मायावती ने गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से गठबंधन कर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सियासत में बड़ा परिवर्तन करने और किंगमेकर की भूमिका में आने की रणनीति बनाई थी। जबकि राजस्थान और तेलंगाना में अपने दम पर चुनाव लड़ने का निर्णय

लिया था। हाल यह है कि बसपा से कम वोट मिल सपा को मिला है। इसी तरह बहुजन समाज पार्टी भी इन चार प्रमुख राज्यों के विधानसभा चुनावों में अपने सबसे बदहाल प्रदर्शन पर पहुंच गई है। चुनाव आयोग के आंकड़े बताते हैं कि 2018 में राजस्थान के विधानसभा चुनाव में चार फीसदी वोटों के साथ मायावती की 6 सीटें विधानसभा में थीं। जबकि इस चुनाव में महज दो सीटें ही मायावती के हिस्से आई हैं, और वोट फीसदी गिरकर 1.82 रह गया है। इसी तरह मध्यप्रदेश में भी 2018 के विधानसभा चुनाव में मायावती 5 फ़ीसदी से ज्यादा वोटों के साथ दो सीटें जीतने में कामयाब रहीं थीं। इस बार मायावती का वोट बैंक खिसक कर 3.40 फीसदी पर रह गया और एक भी सीट नहीं मिली। छत्तीसगढ़ में भी मायावती को पिछले चुनाव में दो सीटें मिली थीं और 3.9 फीसदी वोट प्रतिशत भी था। लेकिन इस बार न तो कोई सीट मिली और वोट प्रतिशत भी कम होकर 2.2 पर पहुंच गया। तेलंगाना में भी बहुजन समाज पार्टी को इस बार भी कोई सीट नहीं मिली और पिछले चुनाव में भी कोई सीट नहीं मिली थी। लेकिन दलितों के वोट बैंक को अपना आधार बनाने वाली मायावती तेलंगाना में पिछले चुनाव में तीन फ़ीसदी की बजाय इस बार के विधानसभा चुनाव में 1.37 फीसदी पर सिमट गई।

चुनावी परिणाम पर सवाल भी उठे

चार राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों में बीजेपी को मिली सफलता पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने सवाल खड़े किए हैं। मायावती ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट कर बीजेपी की प्रचंड जीत पर शक जताया है। उन्होंने लिखा कि देश के चार राज्यों में अभी हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के आए परिणाम एक पार्टी के पक्ष में एकतरफा होने से सभी लोगों का शंकित, अचंभित व चिन्तित होना स्वाभाविक, क्योंकि चुनाव के पूरे माहौल को देखते हुए ऐसा विचित्र परिणाम लोगों के गले के नीचे उतर पाना बहुत मुश्किल है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि पूरे चुनाव के दौरान माहौल एकदम अलग व कांटे के संघर्ष जैसा दिलचस्प रहा, लेकिन चुनाव परिणाम उससे बिल्कुल अलग होकर पूरी तरह से एकतरफा हो जाना, यह ऐसा रहस्यात्मक मामला है जिसपर गंभीर चिन्तिन व उसका समाधान जरूरी है. लोगों की नब्ज पहचानने में भयंकर 'भूल-चूक' चुनावी चर्चा का नया विषय है।

कांग्रेस में चिंता की लहर, सोनिया गांधी के आवास पर होगा मंथन

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस में चिंता की स्थिति पैदा हो चुकी है। कांग्रेस केवल तेलंगाना में सरकार बनाने में कामयाब हो पाई है। बाकी राजस्थान समेत अन्य राज्यों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। चुनावी नतीजों के बाद कांग्रेस ने संसदीय रणनीतिक समूह की बैठक बुलाई है। कांग्रेस की यह बैठक आज शाम पांच बजे से शुरू होगी। यह मीटिंग पार्टी की संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर होने वाली है। इस बैठक में संसद के शीतकालीन सत्र पर चर्चा हो सकती है।

नोटा का सोटा भी चला

इस चुनावों में नोटा भी खूब चला। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक मध्यप्रदेश में समाजवादी पार्टी को 0.46 फीसदी वोट मिले हैं। राजस्थान में समाजवादी पार्टी को महज 0.01 फीसदी वोट मिले। जबकि छत्तीसगढ़ में समाजवादी पार्टी को 0.04 फीसदी वोट मिले। बहुजन समाज पार्टी को मध्यप्रदेश में 3.40 फीसदी वोट मिले। राजस्थान में बहुजन समाज पार्टी को 1.82 फीसदी ही वोट मिले। इसी तरह मध्यप्रदेश में आम आदमी पार्टी को 0.54 फीसदी

वोट मिले। जबकि राजस्थान में आम आदमी पार्टी को 0.38 फीसदी मत मिले। वहीं छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी को 0.93 फीसदी वोट मिले। मध्यप्रदेश में एआईएमआईएम को महज 0.09 फीसदी मत मिले। जबकि राजस्थान में यह प्रतिशत ओवैसी की पार्टी का महज 0.01 फीसदी ही रहा। हालांकि मध्यप्रदेश में कुल हुए मतदान का तकरीबन एक फीसदी नोटा भी दबा है। जबकि राजस्थान में नोटा का प्रतिशत भी तकरीबन एक फीसदी ही रहा। सियासी जानकारों का कहना है कि जिस तरीके से समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और आम आदमी पार्टी समेत ओवैसी की पार्टी ने बड़ा माहौल बनाते हुए चुनावी फील्डिंग सजाई थी, वह चुनाव परिणामों में पूरी तरीके से ध्वस्त हो गई। समाजवादी पार्टी का प्रदर्शन तो मध्यप्रदेश में अब तक लड़े गए चुनावों में सबसे बदहाल रहा है। वह भी तब जब समाजवादी पार्टी के सभी बड़े नेताओं ने मध्यप्रदेश में लगातार कैंप किया और इस बार बीते चुनावों की तुलना में सबसे ज्यादा आक्रामक तरीके से रणनीति बनाई। शुक्ल कहते हैं कि इसके पीछे समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच में हुई सीटों के बंटवारे को लेकर जुबानी जंग और राजनीतिक टशन बड़ी वजह रही। उनका कहना है कि जिस वजह से समाजवादी पार्टी ने मध्यप्रदेश में अपनी आक्रामक नीति अपनाई थी, चुनाव परिणाम और वोट प्रतिशत इस बात की तस्दीक करते हैं कि वह रणनीति समाजवादी पार्टी की पूरी तरह फेल हो गई।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

असमय बारिश ग्लोबल वार्मिंग का असर तो नहीं!

> अभी हाल ही एक रिपोर्ट आई थी जिसमें कहा गया था कि इसबार देश सर्दी थोड़ा कम पड़ेगी। तलब कि जाड़ों में भी गर्मी का एहसास बना रहगा। उधर कुछ रिपोर्टें जलवायु परिवर्तन से स्वस्थ्य पर पड़ रहे असर की भी आने लगी हैं। बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

यूपी के कुछ इलाकों में रविवार की देर रात व सोमवार की सुबह से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। इस बारिश के होने में प्रथम दृष्टया जो कारण सामने आ रहे हैं वह भारत के दक्षिणी तट पर आया मिचांग तूफान है। वहीं विशेषज्ञों को कहना है कि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से मैदानी व पहाड़ी इलाकों में गर्मी बढ़ रही है ऐसे ये बारिश उसका असर भी हो सकता है। अभी हाल ही एक रिपोर्ट आई थी जिसमें कहा गया था कि इसबार देश सर्दी थोड़ा कम पड़ेगी। तलब कि जाड़ों में भी गर्मी का एहसास बना रहगा। उधर कुछ रिपोर्टें जलवायु परिवर्तन से स्वस्थ्य पर पड़ रहे असर की भी आने लगी हैं। बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हाल ही आई लैंसेट काउंटडाउन रिपोर्ट के मुताबिक जलवायु परिवर्तन के चलते दुनिया भर में लोगों के स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ा है। बदलते पर्यावरण का सबसे ज्यादा असर 65 साल से ज्यादा उम्र के वयस्कों और एक साल से कम उम्र के शिशुओं पर पड़ा है जो विशेष रूप से बढ़ती गर्मी के प्रति संवेदनशील होते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक 1986-2005 की तुलना में पिछले कुछ वर्षों में हीटवेव वाले दिनों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। एक्स्ट्रीम वेदर की बढ़ती घटनाओं के चलते स्वास्थ्य के साथ ही जल और खाद्य सुरक्षा के लिए भी खतरा बढ़ा है। विशेषज्ञों के मुताबिक बदलती जलवायु के चलते सक्रामक रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। जलवायु परिवर्तन और धरती के बढ़ते तापमान जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए दुनियाभर के नेता और स्टेकहोल्डर्स कॉप 28 सम्मेलन में हिस्सा लेने दुबई पहुंचे। यह संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन संधि में शामिल देशों का 28वां उच्च स्तरीय समेलन है। ग्लोबल वार्मिग मानव जीवन के लिए एक बड़े संकट के तौर पर उभरा है। ये संकट कितना बड़ा है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि मानव जाति ने नरक के द्वार खोल दिए हैं। भारत सहित पूरी दुनिया में बढ़ती गर्मी, जंगलों की आग और मौसम की चरम घटनाओं के बीच कॉप 28 से पूरी दुनिया को बड़ी उम्मीदें हैं। जलवायु परिवर्तन को लेकर संयुक्त राष्ट्र की सबसे बड़ी संस्था की बैठक के भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं। उधर मौसम विभाग ने तमिलनाडु आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के लिए अलर्ट जारी किया है। यहां चक्रवात की वजह से भारी बारिश हो सकती है और सामान्य से काफी तेज गति से हवाएं चलेंगी। हाल ही में दुबई में जलवायु पर दुनिया के प्रमुख देशों की बैठक हुई जिसमें ग्लोबल वार्मिग पर चर्चा हुई। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि इस समस्या के समाधान पर जल्द ठोस कार्ययोजना बनेगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारतीय राजनीति में पहचान आधारित पैंतरे के जोखिम

राजेश रामचंद्रन

अब जबकि चुनाव परिणाम के नतीजे लगभग सामने हैं। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों से अहम सबक यह है कि हिंदी भाषी क्षेत्र में गैर-भाजपा पार्टियों में कांग्रेस अभी भी सबसे मजबूत दल है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ ऐसे सूबे हैं जहां पर कांग्रेस और भाजपा के बीच दो ध्रुवीय मुकाबला होने की रिवायत रही है। हालांकि, तेलंगाना में कांग्रेस की जीत यह सिद्ध करती है कि क्षेत्रीय दलों के ग्रहण लगने के बावजूद उसकी जड़ें कायम हैं। कांग्रेस एक पुरानी पार्टी है, अलबत्ता चुनावी मौसम के दौरान इसमें कुछ हरी कोंपलें उग आती हैं जिनका मकसद सत्ता से खिन्न मतदाता के जरिये ताकत प्राप्त करना होता है। एक ऐसी पार्टी है जिसका एकमात्र तर्क रहा है, सत्ता। चूंकि एजेंडा तभी क्रियान्वित होता है जब सरकार हो, अतएव सामाजिक बदलाव के लिए सक्रिय अभियान चलाने वाले कार्यकर्ता की क्या जरूरत।

ऐसा दल चुनाव के समय का इंतजार यह देखने के लिए करते हैं कि क्या फिजा में बदलाव आया है और लोगों का मिजाज सत्ताधारी दल के प्रति मोह से मोहभंग में परिवर्तित हुआ है या नहीं। तब केवल इतना करने की जरूरत होती है कि नाराज जनता के सामने खुद को सबसे काबिल विकल्प के रूप में पेश किया जाए। लेकिन इसकी बजाय, यह मत समझें कि जनता के मिजाज में बदलाव विचारधारा में भी हुआ है। उक्त दल का सिद्धांत केवल सत्ता है न कि जाति। कांग्रेस विगत में विभिन्न जातीय समीकरण बनाने की कोशिश कर चुकी है, मसलन, उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण-दलित-मुस्लिम, आंध्र प्रदेश में रेड्डी-दलित-मुस्लिम, कर्नाटक में अल्पसंख्यक-पिछड़ा वर्ग-दलित आधारित 'अहिन्दा' नामक युगम, गुजरात में क्षत्रिय-हरिजन-आदिवासी-मुस्लिम का 'खाम' नामक प्रयोग, केरल में कांग्रेस ने मुस्लिम और ईसाई दलों से गठबंधन किया है तो और अन्य जगहों पर भी इसी किस्म के समुच्चय बैठाए। इस तमाम प्रयासों के बावजूद, पार्टी सिकुड़ती गई क्योंकि पहचान-आधारित यह राजनीति विपक्ष के लिए प्रतिक्रियात्मक-गोलबंदी के लिए उत्प्रेरक और वैधता प्रदान करने वाली बनी।

वास्तव में यह राजनीतिक जरूरत भले हो लेकिन अनाड़ीपन यह मानना रहा कि मुस्लिम पहचान की राजनीति करने से हिंदुत्व संगठनों के एकजुट होने को बल नहीं मिलेगा, लेकिन यही हुआ और वह भी किस कदर! कांग्रेस इस बार न केवल सत्ताधारियों के प्रति मतदाताओं के मोहभंग की आसान फसल काटने को तत्पर रही है बल्कि जाति-पहचान का कार्ड भी खेलती रही है। शायद यह चाल किसी राज्य में जीत दिला भी दे, जहां उसने जाति-आधारित जनगणना करवाने का वादा किया हो। शायद आगे राष्ट्रीय स्तर पर भी पिछड़ी जातियों की पहचान आधारित राजनीति करने की कोशिश इस उम्मीद में करे कि इससे हिंदुत्व के घेरे में सेंध लग सके। खैर, जिस तरह मुस्लिम कार्ड ने हिंदू-कार्ड को वैधता दी थी और हिंदू वोट बैंक बना डाला, जोकि 1990 के आखिरी सालों तक भी किसी की कल्पना में नहीं था, ठीक वैसे ही जातीय-पत्ता भी धार्मिक एजेंडे को वैधता देने में प्रभावी हो सकता है। यह दोनों ही पूर्व-आधुनिक समूह बनाने के संकेतक हैं। मसलन, आंध्र प्रदेश की राजनीति में रेड्डी समुदाय की बहुसंख्या से केवल 'काम्मा' उद्भव को वैधता मिली है, यह ठीक वही है जब उत्तर प्रदेश में कल्याण सिंह के नेतृत्व में हुए गैर-यादव पिछड़ी जाति सशक्तीकरण ने यादवों के विजय रथ को पलट डाला था या फिर कर्नाटक में लिंगायतों का मजबूत बनना अन्य सामाजिक गठबंधनों पर भारी पड़ गया। पिछड़ी जातियों का आरक्षण कोटा 27 फीसदी से बढ़ाकर 42 प्रतिशत या 50 प्रतिशत करना या फिर सरकारी नौकरियों में पिछड़ों और दलितों का कोटा 90 फीसदी करने वाला जुमला केवल एक चुनाव में चल पाएगा, बस इतना ही।

तथापि इस नारे को भी किसी भरोसे योग्य पिछड़ी जाति के नेता द्वारा उठाए जाने की जरूरत होगी। हालांकि, इस नारे का कुल प्रभाव सत्तासीनों के प्रति मतदाता के मोह या मोह-भंग की मात्रा पर निर्भर करेगा। लेकिन इस नारे की स्वीकृति में पेंच है कि यह तभी प्रभावशाली होगा जब पिछड़ी जाति के अब तक न आजमाए किंतु भरोसे काबिल नेता द्वारा उठाया जाए।

तथाकथित 'मंडल मसीहा' वीपी सिंह भी राजीव गांधी को केवल जाति-कार्ड खेलकर नहीं हरा पाए थे लोकसभा में 400 से ज्यादा सीटों वाली शक्तिशाली राजीव सरकार का पराभव बोफोर्स तोपों में रिश्वतखोरी के इल्जाम से ही हुआ था। 'राजा नहीं फकीर है, देश की तकदीर है' का नारा शुचिता, एक राजकुल से संबंधित इंसान द्वारा व्यवस्था को साफ-सुथरा बनाने की छवि की खातिर था। यह विशुद्ध रूप से तत्कालीन सरकार से मतदाता की नाराजगी को भुनाने की राजनीति थी।

टारगेट किलिंग का सर्वाधिकार केवल अमेरिका को ही क्यों

पुष्परंजन

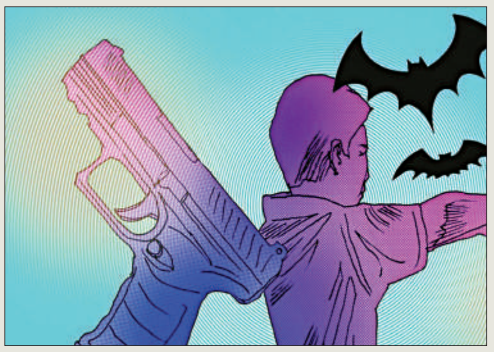

अमेरिका में टारगेट किलिंग पर रोक 1976 में लगा दी गई थी। उससे पहले अमेरिका के निशाने पर जो व्यक्ति होता, उसे दुनिया के किसी कोने में मार गिराने को कानूनन सही ठहराया जाता। 9/11 के बाद जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने अमेरिकी कांग्रेस में प्रस्ताव रखवाया, जिसकी बिनाह पर सुरक्षाबलों को उन्हें मारने का अधिकार मिल गया, जो अमेरिका के विरुद्ध आतंकी गतिविधियों में शामिल पाये जाते थे। 18 सितंबर, 2001 को बने इस कानून को ऑथराइजेशन फॉर द यूज ऑफ मिलिटरी फोर्स (एयूएमएफ) नाम दिया गया। दुनिया के किसी भी हिस्से से अमेरिका के विरुद्ध साजिश का जरा भी शक होता, ऐसे लोगों को उठाने और मरवाने का लाइसेंस बुश प्रशासन को मिल चुका था। बाद में बराक, ट्रंप और अब बाइडेन के समय 'एयूएमएफ' का इस्तेमाल रुका नहीं।

यह लक्षित हत्याएं थीं। ऐसी टारगेट किलिंग का सबसे बड़ा उदाहरण नेवी सील के उस छापे से समझा जा सकता है, जिसमें ओसामा बिन लादेन मारा गया था। व्हाइट हाउस का तर्क था कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 में आत्मरक्षा के लिए बल प्रयोग के उपयोग का अधिकार केवल अमेरिका के पास है। हम अलकायदा, तालिबान या आइसिस सरगनाओं की टारगेट किलिंग इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि अमेरिका के विरुद्ध ये लोग साजिश करते दिखते हैं। फरवरी, 2013 में अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा लीक किए गए एक श्वेतपत्र में टारगेट किलिंग के लिए कानूनी ढांचे का विस्तृत विवरण दिया गया था। यों कहिए कि लंबे समय तक अमेरिकी प्रशासन ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया था कि व्हाइट हाउस कितने लोगों को आत्मरक्षा का अधिकार के नाम पर मरवा चुका है। यूएन में संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत रह चुके फिलिप अल्स्टन, आत्मरक्षा के अमेरिकी दावों की निंदा करते हुए कहते हैं कि यदि अन्य देश ऐसा करते हैं, तो अमेरिका के न्याय विभाग को आपत्ति होती है।

लेकिन अमेरिका ने 'कहीं भी, कभी भी लोगों को मार डालो' का अधिकार प्राप्त कर लिया है। यह अराजक स्थिति है। कोलंबिया लॉ स्कूल के स्कॉलर मैथ्यू सी. वैक्समैन ने भी बयान दिया कि बिन लादेन को मारने के लिए अमेरिकी सील कमांडो को भेजना किसी देश की संप्रभुता का उल्लंघन ही था। मगर, सहमति के बिना विदेशी धरती पर अपने बल का उपयोग करना कहां का इंसाफ है? न्यू अमेरिका फाउंडेशन द्वारा किए गए एक अध्ययन में बताया गया है कि अपने कार्यकाल के पहले दो वर्षों में, तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने राष्ट्रपति बुश की तुलना में चार गुना अधिक टारगेट किलिंग को अधिकृत किया था। रिपोर्ट में दावा किया गया कि 2009 के बाद से लगभग 291 हमले किए गए हैं, जिनमें जनवरी, 2013 तक 2,264 कथित आतंकवादी ड्रोन के जरिये अथवा अन्य टारगेट किलिंग में मारे गए।

सीआईए और डीओडी (डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस) टारगेट किलिंग जैसे ऑपरेशन पाकिस्तान-अफगान सीमा के अलावा यमन, इराक, सीरिया और लीबिया में भी चलाते रहे। पेंटागन 'किल एंड कैप्चर' कार्यक्रम में कितना आगे रहा है, उसके दस्तावेजों को सही से खंगालने पर स्पष्ट हो जाता है। 2009 में 'किल एंड कैप्चर' कार्यक्रम की भेंट 675 लोग चढ़ गये, यह संख्या 2011 में बढ़कर 2200 पर पहुंच चुकी थी। इंटरनेशन सिक्योरिटी असिस्टेंट फोर्स (आईएसएएफ) के कमांडर जनरल जार्ज अलेन कहते हैं कि जैसे-जैसे परंपरागत फोर्स की संख्या कम होगी, टेक्नोलॉजी की मदद से टारगेट किलिंग में इजाफे की संभावना बढ़ेगी। लेकिन इसका साइड इफेक्ट खतरनाक था। सीआईए ने नवंबर, 2011 से जनवरी, 2012 तक पाकिस्तान में ड्रोन हमले पर रोक लगा दी, क्योंकि इन हमलों से द्विपक्षीय संबंध सहज नहीं रह गये थे। अप्रैल, 2012 में पाकिस्तानी संसद ने सीमा पर अमेरिकी ड्रोन हमलों को समाप्त करने की मांग के लिए सर्वसम्मति से मतदान किया। अमेरिका 10 साल बाद भी सुधरा नहीं। टारगेट किलिंग के नाम पर मार्च, 2023 में यमन के मरीब जिले में अब्देल अल अजीज अदनानी और सीनियर अल कायदा सरगना हमद बिन अल तमीमी को यूएस फोर्स ने मार गिराया था। 1977 में पारित जेनेवा कन्वेंशन के तहत टारगेट किलिंग को युद्ध अपराध की श्रेणी में लाया गया था।

मगर, इसे मानता कौन है? रूस, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, तुर्की, सउदी अरब, चीन जैसे दुनिया के चुनींदा देशों से कोई पूछे कि आतंकवाद उन्मूलन के नाम पर कितने लोगों की हत्याएं कराने के ऑर्डर उनकी सरकारों ने दिये हैं। आपको अनगिनत उदाहरण मिलेंगे। इस्राइली प्रधानमंत्री अरियल शेरोन ने एक समय जार्ज बुश को लिखित आश्वासन दिया था कि यासिर अराफात की हत्या नहीं करवायेंगे। अराफात का मरना भी रहस्य था। बाद के वर्षों में हमास के कई नेता टारगेट कीलिंग के शिकार होते रहे। आतंकवाद के सफाये के नाम पर जो कुछ गलत-सही होता रहा, संयुक्त राष्ट्र महासभा तक में चुप्पी साध ली जाती। यदि अमेरिका की तरह भारत ने भी संसद में 'टारगेट कीलिंग' कानून पास करवाया होता, तो आज उसे जस्टिन ट्रूडो और जो बाइडेन प्रशासन को जवाब देने की नौबत नहीं आती। भारत का विदेश मंत्रालय तब बोल सकता था कि अमेरिका सबसे पहले अपने बहत्तर छेदों को देखे, फिर बात करे। मगर, सवाल है कि सिख फॉर जस्टिस का सरगना, गुरपतवंत सिंह पन्नू कोई संत-महात्मा है क्या? भारत के विरुद्ध अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ाने में जस्टिन ट्रूडो और जो बाइडेन बराबर के भागीदार हैं।

सर्दियों में खांसी-जुकाम में रामबाण हैं ये काढ़े

दालचीनी का काढ़ा

इस काढ़ा को बनाना काफी आसान है, इसे बनाने के लिए एक पैन में एक- दो कप पानी डालें। अब इसमें दालचीनी पाउडर मिलाएं। इस मिश्रण को अच्छी तरह उबालें। चाहें तो आप इसमें एक चम्मच शहद भी मिक्स कर सकते हैं। यह शरीर की ताकत बढ़ाने के साथ आपको मौसमी बीमारियों से बचाने में मदद करता है।

तुलसी का काढ़ा

एक पैन में पानी उबालें। अब इसमें तुलसी के पत्ते, 1 छोटा चम्मच काली मिर्च, 1 छोटा चम्मच दालचीनी पाउडर और 1 छोटा चम्मच कसा हुआ अदरक डालें। इस मिश्रण को अच्छी तरह मिलाएं। इसे 10-15 मिनट तक उबलने दें। इसके बाद इसे छान लें। जब यह ठंडा हो जाए, तो इसे पिएं। यह इम्युनिटी बूस्टर के रूप में काम करता है। जिससे सर्दी-जुकाम और खांसी से बच सकते हैं। इसके अलावा यह काढ़ा पाचन के लिए भी फायदेमंद है।

बदलते मौसम में सर्दी-खांसी और जुकाम की समस्या आम है। इससे गले में दर्द और फ्लू की परेशानी भी बढ़ जाती है। इसके अलावा कुछ लोगों को मौसम में बदलाव की वजह से पाचन की समस्या भी होती है। इन मौसमी बीमारियों से राहत पाने के लिए आप आयुर्वेदिक उपचार अपना सकते हैं। इसके लिए घर पर कुछ काढ़ा तैयार कर सकते हैं। खाने के शौकीन लोगों का सर्दियों के मौसम का बेसब्री से इंतजार रहता है, काढ़ा एक आयुर्वेदिक उपचार है, जो आपको मौसमी संक्रमण से लड़ने में भी मदद कर सकता है। भारतीय घरों में आसानी से पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के साबुत मसालों और किचन में इस्तेमाल किए जाने वाले तरह-तरह की सामग्रियों से काढ़ा तैयार कर सकते हैं।

अजवाइन का काढ़ा

अजवाइन में औषधीय गुण होते हैं, जो शरीर को कई बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। इसमें कार्बोहाइड्रेट, वसा, प्रोटीन, फाइबर, आयोडीन, मैंगनीज जैसे तमाम पोषक तत्व पाए जाते हैं। कई लोग अजवाइन को गर्म पानी के साथ खाते हैं, इसके अलावा आप अजवाइन का काढ़ा भी बना सकते हैं, इसके लिए एक पैन में पानी और दो चम्मच अजवाइन डालें। इस मिश्रण को उबाल लें। इसे पीने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और पाचन के लिए भी फायदेमंद है।

तुलसी और काली मिर्च का काढ़ा

सर्दियों में कमजोर इम्युनिटी के कारण लोग अक्सर सर्दी-खांसी की समस्या से परेशान रहते हैं। इस मौसम में संक्रमण से लड़ने के लिए आप रोजाना तुलसी का काढ़ा पी सकते हैं। इसे बनाने के लिए एक पैन में पानी गर्म करें, इसमें तुलसी के पत्ते, दालचीनी, काली मिर्च और सूखी अदरक मिलाएं। इस मिश्रण को कुछ देर तक उबाल लें, फिर इसे छान लें। जब गुनगुना हो जाए, तो इसे पिएं। तुलसी पत्ते और काली मिर्च खाने से शरीर को डिटॉक्स करने में मदद मिलती है। इसके अलावा तुलसी के पत्ते और काली मिर्च खाने से पेट की समस्याओं में राहत मिलती है। इससे कब्ज, गैस और एसिडिटी से राहत मिलती है। मौसम बदलने पर होने वाले सर्दी-जुकाम को दूर करने के लिए आप तुलसी के पत्ते और काली मिर्च की चाय का सेवन कर सकते हैं। इसके एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण के कारण आप संक्रमण से दूर रहते हैं।

गिलोय काढ़ा

इस काढ़ा को बनाने के लिए 1 चम्मच गिलोय गुडूची को पीस लें। इसके बाद इसे पानी में मिक्स करें और इसे उबालें। यह काढ़ा फ्लू से लड़ने में आपकी मदद करता है। अगर कई दिनों से आपकी खांसी ठीक नहीं हो रही है तो गिलोय का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है। गिलोय में एंटीएलर्जिक गुण होने के कारण यह खांसी से जल्दी आराम दिलाती है। खांसी दूर करने के लिए गिलोय के काढ़े का सेवन करें। खांसी से आराम पाने के लिए गिलोय का काढ़ा बनाकर शहद के साथ उसका सेवन करें। इसे दिन में दो बार खाने के बाद लेना ज्यादा फायदेमंद रहता है।

हंसना मना है

एलकेजी के बच्चे के पेपर में 0 आया। गुस्से से पिता- यह क्या है? बच्चा - पिताजी, शिक्षक के पास स्टार खत्म हो गए थे, इसलिये उसने मून दे दिया।

डेट पर लड़के ने लड़की से कहा, जानू, एक बात कहना चाहता हूं! लड़की-क्या? लड़का- मेरी पहले से एक गर्लफ्रेंड है! लड़की- डरा दिया साले, मुझे लगा कि पैसा नहीं है!

पति- अरे सुनो, मुन्ना रो रहा है चुप कराओ इसे। पत्नी (गुस्से में)- मैं काम करूं या बच्चे संभालू, मैं इसे दहेज में नहीं लाई थी, खुद ही चुप करा लो। पति- फिर रोने दे, मैं कौन सा इसे बारात में लेकर गया था।

शादीशुदा महिला- पंडितजी, मेरे पति हमेशा मुझसे लड़ते रहते हैं। घर की सुख-शांति के लिए कौन-सा व्रत रखूं? पंडितजी- मौन व्रत रखो बेटा, सब बढ़िया होगा!

एक पार्टी में एक सुन्दर सी लड़की एक लड़के के पास गई, लड़की- सुनिए, मेरे एक हाथ में गिलास और दूसरे में प्लेट है, आप मेरे चेहरे से एक चीज हटा देंगे! लड़का- हां हां क्यों नहीं, क्या चीज़ हटानी है? लड़की- अपनी कुत्ते जैसी नजर!

कहानी | ऊंट की गर्दन

बीरबल की सूझबूझ और हाजिर जवाबी से बादशाह अकबर बहुत खुश रहते थे। बीरबल किसी भी समस्या का हल चुटकियों में निकाल देते थे। एक दिन बीरबल की चतुराई से खुश होकर बादशाह अकबर ने उन्हें इनाम देने की घोषणा कर दी। काफी समय बीत गया और बादशाह इस घोषणा के बारे में भूल गए। उधर बीरबल इनाम के इंतजार में कब से बैठे थे। बीरबल इस उलझन में थे कि वो बादशाह अकबर को इनाम की बात कैसे याद दिलाएं। एक शाम बादशाह अकबर यमुना नदी के किनारे सैर का आनंद उठा रहे थे कि उन्हें वहां एक ऊंट घूमता हुआ दिखाई दिया। ऊंट की गर्दन देख राजा ने बीरबल से पूछा, बीरबल, क्या तुम जानते हो कि ऊंट की गर्दन मुड़ी हुई क्यों होती है? बादशाह अकबर का सवाल सुनते ही बीरबल को उन्हें इनाम की बात याद दिलाने का मौका मिल गया। बीरबल से झट से उत्तर दिया, महाराज, दरअसल यह ऊंट किसी से किया हुआ अपना वादा भूल गया था, तब से इसकी गर्दन ऐसी ही है। बीरबल ने आगे कहा, लोगों का यह मानना है कि जो भी व्यक्ति अपना किया हुआ वादा भूल जाता है, उसकी गर्दन इसी तरह मुड़ जाती है। बीरबल की बात सुनकर बादशाह हैरान हो गए और उन्हें बीरबल से किया हुआ अपना वादा याद आ गया। उन्होंने बीरबल से जल्दी महल चलने को कहा। महल पहुंचते ही बादशाह अकबर ने बीरबल को इनाम दिया और उससे पूछा, मेरी गर्दन ऊंट की तरह तो नहीं हो जाएगी न? बीरबल ने मुस्कुराकर जवाब दिया, नहीं महाराज। यह सुनकर बादशाह और बीरबल दोनों ठहाके लगाकर हंस दिए। इस तरह बीरबल ने बादशाह अकबर को नाराज किए बगैर उन्हें अपना किया हुआ वादा याद दिलाया और अपना इनाम लिया।

कहानी से सीख- इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें किसी से किया हुआ अपना वादा पूरा जरूर करना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष गप्पबाजी और अफ़वाहो से दूर रहें। साझेदारी में किए जा रहे कार्यों में कुछ विरोध उत्पन्न हो सकता है और गृहोपयोगी वस्तुओं पर धन का खर्चा होगा।

वृषभ यदि आज आप अपने जीवनसाथी के साथ किसी नए बिजनेस को कराना चाहते हैं, तो आज वह आप आसानी से कर पाएंगे और उसमें आपको भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा।

मिथुन आपको कार्यों में किसी अनुभवी की राय लेना फायदेमंद रहेगा। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों को लेकर आप ज्यादा ही भावुक होंगे।

कर्क आज आप अपने परिवार वालों के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बनायेंगे। निजी जीवन की बात करें तो किसी मित्र से आपकी अनबन हो सकती है।

सिंह राजनीति से जुड़े जातकों को सफलता प्राप्त हो सकती है, जो उनकी प्रगति में चार चांद लगाएगी। संतान के प्रति आज आप अपने सभी दायित्वों की पूर्ति करने में सफल रहेंगे।

कन्या आज पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपको किसी तरह के कानूनी मामले में बड़ी मदद मिलेगी। आज आप परिवार वालों के साथ घरेलू सामान की शॉपिंग करने जायेंगे।

तुला आज नकारात्मक विचारों को मन में न आने दें। परिवार के साथ यात्रा देशाटन का कार्यक्रम बन सकता है। आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे।

वृश्चिक आज आपके यश व कीर्ति में वृद्धि होगी। आज परिवार में के सदस्यों में किसी आपसी कलह के कारण विरोध की स्थिति उत्पन्न हो, तो आपको उसमें चुप रहना ही बेहतर होगा।

धनु कुछ लोगों से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। लवमेट्स को अचानक कोई गिफ्ट मिलेगा। थोड़ी मेहनत से आपको किसी बड़े धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा।

मकर आर्थिक मामलों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। आज पुराने रिश्तेदार या परिचित से स्नेह मिलेगा।

कुम्भ आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। सरकारी नौकरी से जुड़े जातकों को आज कोई ऐसी सूचना सुनने को मिलेगी, उनका मन प्रसन्न होगा।

मीन आज आपको धन लाभ के कई मौके मिलेंगे। जिसको आप भी हाथ से जाने नहीं देंगे। आज किसी कोर्ट केस का फैसला आपके पक्ष में आयेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरा बेटा रणबीर या आलिया जितना काबिल होता तो सारे पैसे लुटा देता

बॉलीवुड में पिछले कुछ साल से नेपोटिजम पर तगड़ी बहस छिड़ी हुई है। स्टार किड्स को फिल्मों में मौका मिलता नहीं कि तरह-तरह की बातें शुरू हो जाती हैं। उनकी उनके पैरेंट्स से तुलना की जाने लगती है। यह तक कहा जाने लगता है कि स्टार किड्स हैं तो सबकुछ आसानी से मिल गया। पर एक्टर परेश रावल इससे इत्तेफाक नहीं रखते। वह पिछले चार दशक से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं और कई हिट फिल्में दी हैं। वहीं उनके बेटे अनिरुद्ध और आदित्य रावल भी एक्टिंग की दुनिया में सक्रिय हैं। पर परेश रावल ने कभी भी बेटों को फिल्मों के लिए खुद के नाम का इस्तेमाल नहीं करने दिया। यही नहीं, उन्होंने कभी बेटों को फिल्में दिलवाने में भी मदद नहीं की। परेश रावल ने दिए इंटरव्यू में नेपोटिजम के मुद्दे और बेटों पर बात की थी। यह पूछे जाने पर कि क्या एक्टर ने कभी बेटों को फिल्म प्रोजेक्ट्स दिलवाने में मदद की, तो परेश रावल ने इससे इनकार किया। उन्होंने कहा, मेरे बेटे खुद अपनी चॉइस करते हैं और फैसले लेते हैं। जब तक वो गलतियां नहीं करेंगे, तब तक वो सीखेंगे नहीं। अगर वो मेरे पास आकर इसके बारे में पूछेंगे तो ही मैं उन्हें सलाह दूंगा। अगर वो मुझसे नहीं पूछते तो मैं उन्हें कुछ नहीं बताता। उन्हें अपना रास्ता खुद ढूंढने दीजिए। मेरा मानना है कि वो गलतियां करेंगे तो उनसे खुद सीखेंगे भी। लेकिन मैं एक बात निश्चित रूप से जानता हूं कि वो बहुत मेहनती और बहुत प्रतिभाशाली हैं। उन्होंने इस दुनिया (बॉलीवुड) में प्रवेश करने के लिए मेरे नाम का इस्तेमाल नहीं किया है। वहीं परेश रावल ने नेपोटिजम के मुद्दे पर अपनी राय रखी, और इसे बकवास बताया। वह बोले, मुझे लगता है कि नेपोटिजम बेकार है। मेरा बेटा अगर रणबीर या आलिया भट्ट जितना टैलेंटेड होता तो मैं उसपे मेरा सब पैसा लगा देता। और फिर क्यों न लगाऊं? ये कोई गलत चीज तो नहीं है। डॉक्टर का बच्चा डॉक्टर नहीं बनेगा तो क्या, नाई? जिन लोगों ने नेपोटिजम को लेकर हल्ला किया, उनसे पूछो कि वो अपने पिता की विरासत को इतनी खुशी से क्यों स्वीकार करते हैं। इसके बदले इसे अपने पड़ोसी को दे दो।

सचिन से तारीफ सुन गदगद हुए कौशल

बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल इन दिनों अपनी फिल्म सैम बहादुर को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। यह फिल्म एक दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म में विक्की ने एक बार फिर अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत लिया है। यह फिल्म देश के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित है। फिल्म देखकर लौट रहे दर्शक सैम बहादुर और विक्की की अदाकारी की जमकर तारीफ कर रहे हैं। क्रिकेट की दुनिया के भगवान सचिन तेंदुलकर भी शनिवार रात विक्की कौशल की सैम बहादुर देखने पहुंचे। इसके बाद अब विक्की ने सचिन तेंदुलकर के साथ इस दौरान की एक तस्वीर साझा की है। बीती रात मुंबई में खेल जगत के दिग्गजों के लिए सैम बहादुर की विशेष स्क्रीनिंग रखी गई। इसमें सचिन तेंदुलकर अपनी पत्नी अंजलि के साथ फिल्म देखने के लिए पहुंचे। सैम बहादुर देखने के बाद उन्होंने दिल खोलकर इसकी तारीफ की है। स्क्रीनिंग के दौरान सचिन तेंदुलकर ने विक्की कौशल के साथ पोज दिए। स्क्रीनिंग के बाद अभिनेता ने सचिन के साथ एक तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर को फैंस बेहद पसंद कर रहे हैं। विक्की कौशल ने तस्वीर साझा करते हुए लिखा, मेरे बचपन के हीरो ने आज मेरी फिल्म देखी। मैं ठीक हूं। सचिन तेंदुलकर सर, आपके दयालु शब्दों के लिए आपका धन्यवाद। मैं उन्हें जीवन भर याद रखूंगा। सैम बहादुर की स्क्रीनिंग में सचिन तेंदुलकर के पहुंचने से विक्की बेहद खुश नजर आए। फैंस को विक्की का ये दिल छू लेने वाला पोस्ट बेहद पसंद आ रहा है। बता दें कि सचिन तेंदुलकर ने फिल्म देखने के बाद इसकी जमकर प्रशंसा की। इसके साथ विक्की के अभिनय कौशल को भी खूब सराहा। उन्होंने कहा, यह एक बहुत अच्छी फिल्म है। मैं विक्की के अभिनय से बहुत प्रभावित हुआ। वास्तव में ऐसा लगा जैसे फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ मौजूद थे। बॉडी लैंग्वेज अविश्वसनीय थी। यह सभी पीढ़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण फिल्म है। हम सभी को अपने देश का इतिहास जानना चाहिए, इसलिए मैं कहूंगा कि ये फिल्म सभी पीढ़ियों को देखनी चाहिए। सैम बहादुर फिल्म उरी और राजी के बाद विक्की कौशल के करियर की तीसरी बड़ी ओपनर बन गई है। ओपनिंग डे पर इस फिल्म ने 6.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। वहीं, शनिवार को इसके कलेक्शन में और भी बढ़त दर्ज हुई है।

बोले- मेरे बचपन के हीरो ने आज मेरी फिल्म देखी।

ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म को बढ़ावा देने से कृति सेनन का इंकार

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कृति सेनन के लिए यह वर्ष बेहद ही हलचल बढ़ा रहा है। इस वर्ष उनकी तीन फिल्में रिलीज हुई हैं और तीनों ही बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखाने में नाकामयाब रही हैं। इन दिनों वह अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की शूटिंग में बिजी चल रही हैं। हाल ही में अभिनेत्री खुद को एक झूठी खबर में फंसा हुआ पाया है। कृति ने स्पष्ट किया कि करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण 8 में उनके द्वारा ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का समर्थन करने के बारे में निराधार आरोप लगाए जा रहे हैं। कृति सेनन ने इन सभी दावों को खारिज कर दिया है। साथ ही सार्वजनिक रूप से इन खबरों का खंडन किया है। अभिनेत्री ने इस गलत खबर के प्रसार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। आज रविवार, 3 दिसंबर को कृति ने करण जौहर के शो कॉफी विद करण 8 में ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के अपने कथित प्रचार से संबंधित खबरों को खारिज करते हुए एक बयान जारी किया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी साझा करते हुए लिखा, ऐसे कई लेख आए हैं जिनमें झूठी खबरें दी गई हैं। मैं कॉफी विद करण में कुछ ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का प्रचार कर रही हूं। ये लेख पूरी तरह से फर्जी और झूठे हैं और बेईमानी और गलत इरादे से प्रकाशित किए गए हैं। ये लेख मानहानिकारक हैं और मुझे ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से जोड़ने का झूठा दावा कर रहे हैं। मैंने शो में कभी भी किसी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के बारे में बात नहीं की है। कृति ने आगे लिखा, मैंने ऐसे झूठे लेखों और रिपोर्टों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है और कानूनी नोटिस जारी किया है। मैं सभी से अनुरोध करती हूं कि ऐसी झूठी, फर्जी और अपमानजनक रिपोर्टों से सावधान रहें। कृति सेनन के वर्कफ्रंट की बात करें तो, हाल ही में वह गणपथ में नजर आई थीं। उनकी आगामी फिल्मों की बात करें तो साल 2024 में और दो पत्ती में नजर आएंगी।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | एरोप्लेन जैसा दिखता है ये पर्स

कीमत इतनी कि खरीद लें एक बीएचके

क्या आप भी ब्रांडेड चीजों के शौकीन हैं? पहले के समय में लोग जरूरत के हिसाब से चीजें खरीदते थे। लेकिन अब शो ऑफ का ज़माना आ गया है। सिर्फ इसलिए कि पड़ोसी ने कोई चीज खरीदी है, सामने वाला भी जाकर उससे महंगी चीज खरीद लेता है। भले ही वो उसे कभी इस्तेमाल ना करे। ऐसे लोगों के लिए ही कई कंपनियां ऐसी चीजें बनाती है, जिसे खरीदने वाले को नॉर्मल लोग मुर्ख ही कहेंगे। हाल ही में एक ऐसा ही पर्स लॉन्च किया गया, जिसकी कीमत में भारत में एक नॉर्मल शख्स वेक बेडरूम का घर ही खरीद लेगा। बात अगर सिर्फ कीमत की होती तो भी समझ आता। बैग का डिजाइन भी अजीब है।

कंपनी ने एक ऐसा पर्स लॉन्च किया है जो एरोप्लेन जैसा नजर आता है। जी हां, इस बैग का डिजाइन एरोप्लेन की तरह है। यानी आप इसे लेकर कॉलेज या मार्केट जाने में शर्माएंगे। लेकिन इसकी कीमत में कोई कोताही नहीं बरती गई है। कंपनी ने इस पर्स की कीमत रखी है 30 हजार डॉलर यानी अगर भारतीय मुद्रा में बात करें तो एक पर्स की कीमत है 32 लाख 45 हजार रुपए।

Louis Vuitton को पर्स की दुनिया का बादशाह कहा जाता है। लगभग हर सेलिब्रिटी इस ब्रांड का बैग यूज करते हैं। इसके पर्स

काफी एलिगेंट नजर आते हैं। साथ ही ये काफी क्लासी लुक भी देते हैं। लेकिन हाल ही में इस ब्रांड ने एक ऐसा बैग लॉन्च किया, जिसे देखकर लोग हैरान रह गए।

इस बैग का डिजाइन एरोप्लेन की तरह है। अपने ब्रांड का लोगो लगाकर कंपनी इस बैग को 32 लाख बेच रही है। जैसे ही इस बैग की तस्वीरें सामने आई, सब हैरान रह गए। लोगों ने इसपर काफी हैरानी जताई। एक यूजर ने लिखा कि ये कैसा बैग है? वहीं एक ने जानकारी दी कि कंपनियां ऐसे बैग ख़ास मकसद से लॉन्च करती है। इन्हें हर स्टोर में नहीं रखा जाता।

ये स्पॉटलाइट के लिए लॉन्च की जाती है। वहीं एक अन्य ने लिखा कि इस बैग को तो पायलट भी नहीं खरीदेगा।

ये है दुनिया का सबसे बुजुर्ग कछुआ, उम्र इतनी है कि अंदाजा भी नहीं लगा सकते!

जोनाथन नाम का एक कछुआ दुनिया का सबसे उम्रदराज जानवर है। वह अटलांटिक महासागर में सेंट हेलेना के सुदूर द्वीप पर रहता है, जिसकी उम्र इतनी है कि आप उसका अंदाजा भी नहीं लगा सकते हैं। इस कछुए के नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है। अभी ये कछुआ एकदम ठीक हालत में है। इसे पहली बार 1882 में सेशेल्स से सेंट हेलेना द्वीप पर लाया गया था, जब वह लगभग 50 साल का था। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स (जीडब्ल्यूआर) के अनुसार, माना जाता है कि जोनाथन का जन्म 1832 में हुआ था। लेकिन सटीक तारीख का पता नहीं है। जीडब्ल्यूआर ने इस कछुए का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर भी शेयर किया है। बता दें कि अब ये कछुआ 191 साल का हो गया है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार- लंबे समय से इस कछुए के पशुचिकित्सक रहे जो होलिन्स के मुताबिक, अभी जोनाथन कछुआ एकदम ठीक है। अभी उसकी 'धीमी गति कम होने का कोई संकेत नहीं' दिख रहा है। हॉलिन्स ने आगे बताया कि कछुए की सूंघने की शक्ति भी खत्म हो गई है। साथ ही मोतियाबिंद के कारण वह लगभग अंधा हो गया है। हालांकि अभी उसे खूब लगती है। जोनाथन की अनुमानित उम्र का तब पता चला जब 1882 और 1886 के बीच ली गई एक पुरानी तस्वीर में वो दिखा। उसे बगीचे में देखा गया था। साल 2022 में जोनाथन को दुनिया के सबसे उम्रदराज जमीनी जानवर के तौर पर गिनीज रिकॉर्ड्स का खिताब दिया गया था। तब से लेकर अब तक इस कछुए का रिकॉर्ड कायम है। इससे पहले यह रिकॉर्ड तु'ई मालिमा नाम के कछुआ के नाम था। ये कछुआ 1965 में लगभग 188 वर्ष की आयु में मर गया था। 1777 के आसपास कैप्टन जेम्स कुक द्वारा टोंगा शाही परिवार को कछुआ दिया गया था।

पोस्टल बैलेट और ईवीएम की वोटिंग पैटर्न में इतना अंतर क्यों : दिग्विजय

» सुप्रीम कोर्ट और चुनाव अयोग से लगाई गुहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। हार के बाद विपक्ष ने ईवीएम पर सवाल उठा दिया है। मप्र के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कांग्रेस को 199 सीटों पर पोस्टल बैलेट में बढ़त मिली है, जबकि ईवीएम की काउंटिंग में हमें मतदाताओं का पूर्ण विश्वास न मिल सका। उन्होंने सवाल उठाते हुए लिखा कि जब जनता वही है तो पोस्टल बैलेट और ईवीएम के वोटिंग पैटर्न में इतना अंतर कैसे। उन्होंने चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट से भी गुहार लगाई है। उन्होंने 199 विधान सभा सीटों पर पोस्टल बैलेट में मिले कांग्रेस को वोट और ईवीएम में मिले कांग्रेस के वोटों का आकलन करने की बात कही है।

वोटिंग पेटर्न में इतना बदलाव कैसे हो सकता है। जिन सीटों पर पोस्टल बैलेट में कांग्रेस जीत रही है वहां ईवीएम में हार रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक पर पोस्ट कर ईवीएम का ये राग छेड़ा है।

अपने कार्यकर्ताओं पर हमें गर्व

जबकि इनमें से अधिकांश सीटों पर ईवीएम काउंटिंग में हमें मतदाताओं का पूर्ण विश्वास न मिल सका। यह भी कहा जा सकता है कि जब तंत्र जीतता है तो जनता (यानी लोक) हार जाती है। हमें गर्व है कि हमारे जमीनी कार्यकर्ताओं ने जी जान से कांग्रेस के लिए काम किया और लोकतंत्र के प्रति अपने विश्वास को पुख़्ता किया। अब कुल 230 सीटों के आँकड़े आपके पास हैं। पोस्टल बैलेट के ज़रिए कांग्रेस और बीजेपी को पड़े वोटों की संख्या विश्लेषण के लिए प्रस्तुत है, सोचने की बात यह है कि जब जनता वही है तो वोटिंग पैटर्न इतना कैसे बदल गया?

पूर्व सीएम पर हावी हो रही उम्र : प्रहलाद पटेल

उधर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के ईवीएम पर सवाल उठाने पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक प्रह्लाद पटेल ने दिग्विजय सिंह पर निशाना साधा है। प्रह्लाद पटेल ने कहा कि दिग्विजय सिंह की शायद उम्र ज्यादा है तो उन्होंने पढ़ना लिखना बंद कर दिया है। गरीब कल्याण पर चर्चा करेंगे तो उनको बहत सारी चीजें समझ में आएगी। उन्होंने कहा कि जब आप एक योजना चलाते है तो उसमें गरीब लाभान्वित होता है। मातृ शक्ति को क्या लाभ मिलता है? यह दिग्विजय सिंह को हमें बताना पढ़ेगा कि आज गरीब के पास शौचालय, पानी, गैस, प्रधानमंत्री आवास सब पहुंचा है। मातृ शक्ति के पास उनके लॉलीपाप की जगह आरक्षण भी पहुंचा। इसलिए उनको ईवीएम की जगह गरीब कल्याण की योजनाओं पर चर्चा करना चाहिए।

उन्होंने कई देशों में ईवीएम पर रोक होने का भी हवाला दिया है।

चिप से किया जा सकता है हैक

सिंह का कहना है कि चिप वाली किसी भी मशीन को हैक किया जा सकता है। मैंने 2003 से ही ईवीएम द्वारा मतदान का विरोध किया है। क्या हम अपने भारतीय लोकतंत्र को पेशेवर हैकरों द्वारा नियंत्रित करने की अनुमति दे सकते हैं! यह मौलिक प्रश्न है, जिसका समाधान सभी राजनीतिक दलों को करना होगा। माननीय चुनाव आयोग और माननीय सर्वोच्च न्यायालय क्या आप कृपया हमारे भारतीय लोकतंत्र की रक्षा करेंगे?

इधर, लहार विधानसभा से हार का मुंह देखने वाले पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह ने भी ईवीएम पर सवाल खड़े किये हैं। उनका आरोप है कि ईवीएम में गड़बड़ी की गई है। उन्होंने कहा कि जनता रो रही है। बीजेपी खुशियां मना रही है। इवीएम हैक करके परिणाम बदले गए हैं।

दिग्विजय पर जिन सीटों की जिम्मेदारी वहां मिली हार

2018 के चुनाव में 114 सीटें जीतने वाली कांग्रेस को इस बार 66 सीटों से संतोष करना पड़ा है। कांग्रेस के एक नेता को हारी सीटें जिताने के काम पर लगाया गया था, उस नेता के भाई-भतीजे ही चुनाव हार गए हैं। बता दें कांग्रेस ने मध्यप्रदेश में एक साल पहले से चुनाव की तैयारी शुरू कर दी थी। हर नेता ने अपनी अलग जिम्मेदारी लेकर काम शुरू कर दिया था। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के पास प्रदेश की हारी सीटों को जिताने की जिम्मेदारी थी। वे एक साल से प्रदेश की ऐसी सीटों पर भ्रमण कर रहे थे। लेकिन 2023 के जो परिणाम सामने आए, उसमें दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह चुनाव हार गए। उनके भतीजे माने जाने वाले प्रियवत सिंह खींची खिलचीपुर विधानसभा सीट से हार गए। इसके अलावा उनके कई समर्थक भी चुनाव हारे हैं। जिसमें जीतू पटवारी बड़ा नाम है। बता दें कि दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह चाचौड़ा विधानसभा सीट से हारे। खिलचीपुर विधानसभा सीट से प्रियवत सिंह खींची हार गए। दिग्विजय सिंह के दोस्त और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता भिंड जिले की लहर विधानसभा सीट से गोविंद सिंह हार गए। दिग्विजय सिंह के सबसे दमदार समर्थक, इंदौर जिले की राऊ विधानसभा सीट से जीतू पटवारी भी नहीं जीत सके। दिग्विजय सिंह के समर्थक कालापीपल विधानसभा से प्रत्याशी कुणाल चौधरी हारे। दिग्विजय सिंह के रिश्तेदार केपी सिंह कक्काजू भी चुनाव नहीं जीत सके। इनके अलावा पुरुषोत्तम डांगी ब्यावरा, बापू सिंह तंवर- राजगढ़, काला महेश मालवीय सारंगपुर, गिरीश भंडारी नरसिंहगढ़ से हार गए हैं। इन लोगों के दिग्विजय सिंह का खास समर्थक माना जाता है।

संक्षिप्त खबरें

हार को लेकर विपक्ष ईवीएम सहित हर चीज पर सवाल उठाएंगे : सुशील मोदी

पटना (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना विधानसभा चुनाव में से तीन राज्यों में बीजेपी के स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद विपक्ष ईवीएम को लेकर सवाल उठाने लगे हैं। वहीं, इस पर पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने मंगलवार को जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि अपनी हार के बाद वे (विपक्ष) ईवीएम सहित हर चीज पर सवाल उठाएंगे। अन्य विपक्षी दल हार के लिए कांग्रेस पर आरोप लगा रहा है, लेकिन कांग्रेस, जेडीयू और समाजवादी पार्टी वैसे भी मध्य प्रदेश चुनाव हार जातीं, भले ही उन्होंने एक साथ चुनाव लड़ा होता. साथ लड़ने पर कांग्रेस की सीट और कम ही हो जाती।

राजस्थान में कांग्रेस की हार का पंजाब में दिखेगा असर : रंधावा

चंडीगढ़ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। राजस्थान में कांग्रेस की हार का पंजाब की सियासत पर असर होना तय है। डेरा बाबा नानक से कांग्रेस विधायक और पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखजिंदर रंधावा राजस्थान में कांग्रेस के प्रभारी थे और हाईकमान ने उन पर काफी भरोसा जताकर यह जिम्मेदारी सौंपी थी लेकिन वह राजस्थान में सत्ता विरोधी लहर को नहीं रोक सके। लिहाजा, उनके विरोधी गुट को हाईकमान के समक्ष बोलने का मौका मिल गया है। राजस्थान में कांग्रेस की करारी हार के बाद रंधावा की पंजाब कांग्रेस प्रधान पद की दावेदारी भी कमजोर हुई है। वह अभी इस पद के प्रबल दावेदार हैं। नतीजों के बाद रंधावा ने कहा, जनता ने जो जनादेश दिया है, हम उसे स्वीकार करते हैं। मैं आशा करता हूं कि हमने जो काम किए हैं, भाजपा उन कामों को जारी रखेगी... हम उनको (भाजपा) मुबारकबाद देते हैं...। रंधावा को राजस्थान में कांग्रेस के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी। कांग्रेस ने छह बार 6 सर्वे करवाया। 60 से 70 नेताओं की रिपोर्ट निगेटिव आई लेकिन पार्टी की तरफ से रंधावा पर विश्वास बनाकर रखा गया। टिकट आवंटन में उनकी पूरी सुनवाई की गई। पर पार्टी में वह गुटबाजी व सत्ता विरोधी लहर को रोकने के लिए कामयाब नीति नहीं बना पाए।

पिता मुख्तार अंसारी की हत्या की जेल में रची जा रही साजिश : उमर अंसारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गैंगस्टर एवं पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी ने पिता को उत्तर प्रदेश के बाहर किसी अन्य जेल में स्थानांतरित करने का आग्रह करते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया है. उसने दावा किया है कि उसके पिता की 'जान को खतरा' है, इसके लिए उमर अंसारी ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है। उमर अंसारी ने अपनी याचिका में कहा है कि उसके पिता एक राजनीतिक दल से जुड़े हैं, जो राज्य की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का 'राजनीतिक और वैचारिक रूप से' विरोध करती है, इसलिए उनका परिवार राज्य के ''उत्पीड़न'' का शिकार रहा है।

याचिका में शीर्ष अदालत से अनुरोध किया गया है कि मुख्तार अंसारी को बांदा जेल से किसी गैर भाजपा शासित राज्य

की जेल में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया जाए। इसमें दावा किया गया, ''राज्य सरकार लगातार याचिकाकर्ता के परिवार, विशेष रूप से उसके पिता के खिलाफ व्यक्तिगत रूप से शत्रुतापूर्ण रुख अपना रही है, लेकिन अब याचिकाकर्ता के पिता को विश्वसनीय जानकारी मिली है कि उसकी जान को खतरा है और बांदा जेल में उसकी हत्या के लिए कई किरदार मिलकर साजिश रच रहे हैं।

मिचौंग तूफान का असर : दो दिन प्रदेश में होगी तेज बारिश

» कहीं-कहीं आज मौसम खुलने के आसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मिचौंग तूफान का असर राजधानी लखनऊ और उसके आसपास के जिलों में देखने को मिला। यहां सोमवार को रिकॉर्ड बारिश हुई। आने वाले एक-दो दिनों में बारिश का असर बना रह सकता है। चक्रवातीय दबाव के चलते राजधानी में रविवार देर रात करीब ढाई बजे से शुरू हुआ बारिश का सिलसिला 20 घंटे तक चला।

इस दौरान हुई 17 मिमी बारिश ने दिसंबर में पानी गिरने का बीते 12 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। न्यूनतम तापमान ने भी रिकॉर्ड बनाया और बीते सालों में पांचवीं सबसे गर्म रात रही। दिन और रात के पारे का अंतर घटकर दो डिग्री के आसपास रह गया। दिन का पारा 19 और रात का 17 डिग्री रहा। बारिश का असर सामान्य जनजीवन पर दिखा।

अमीषा, प्राची और हार्दिक ने मारा चांदी का मुक्का

» जूनियर विश्व मुक्केबाजी : 9 गोल्ड आने की संभावना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज हार्दिक पंवार, अमीषा केरेटा और प्राची टोकस को आर्मेनिया के येरेवन में आईबीए जूनियर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपने-अपने फाइनल में हार के बाद रजत पदक के साथ संतोष करना पड़ा। एशियाई जूनियर चैंपियन हार्दिक (80 किग्रा) को रविवार को करीबी मुकाबले में रूस के एशुरोव बेरमखान से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा।

दोनों मुक्केबाज इस मुकाबले में आक्रामक दिखे और उन्होंने अंक हासिल करने के हर मौके को भुनाया। रूस का मुक्केबाज ने हालांकि आखिरी समय में भारतीय खिलाड़ी पर भारी पड़ा। अमीषा (54 किग्रा) और प्राची (80 किग्रा से अधिक) को अपने-अपने फाइनल मुकाबलों में समान रूप से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। अमीषा कजाकिस्तान की अयाजान सिडिक जबकि प्राची ने उज्बेकिस्तान की दो बार की एशियाई जूनियर चैंपियन सोबिराखोन शाखोबिद्दीनोवा के खिलाफ हार गयी। भारत इस प्रतियोगिता में अब तक पांच कांस्य सहित 17 पदक पक्का कर चुका है। पायल (48 किग्रा), निशा (52 किग्रा), विनी (57 किग्रा), सृष्टि (63 किग्रा), आकांक्षा (70 किग्रा), मेघा (80 किग्रा), जतिन (54 किग्रा), साहिल (75 किग्रा)।

जोकोविच बने दुनिया में नंबर वन

लंदन। नोवाक जोकोविच ने अपने रिकॉर्ड में सुधार करते हुए सोमवार को आठवीं बार एटीपी टेनिस रैंकिंग में साल का अंत नंबर एक खिलाड़ी के रूप में किया। जोकोविच ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन, जून में फ्रेंच ओपन और सितंबर में अमेरिकी ओपन के रूप में साल के चार में से तीन ग्रैंडस्लैम खिताब जीते। वह पुरुष एकल में रिकॉर्ड 24 ग्रैंडस्लैम जीत चुके हैं। वह साथ ही 2023 में विंबलडन में उप विजेता भी रहे। जोकोविच ने 2023 में 56 जीत दर्ज की जबकि सात बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने इस दौरान सात खिताब जीते जिसमें पिछले महीने एटीपी फाइनल्स का खिताब भी शामिल है। सर्बिया के 36 साल के जोकोविच ने कार्लोस अल्कारेज को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग हासिल की थी। अल्कारेज ने ही जुलाई में विंबलडन फाइनल में जोकोविच को पांच सेट में हराया था।

सिर्फ ममता बनर्जी दे सकती हैं मोदी को टक्कर : टीएमसी

» पश्चिम बंगाल की सीएम ने बीजेपी को कई बार हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन का बुधवार को मल्लिकार्जुन खरगे के घर पर चुनावी हार और आगे की रणनीति को लेकर मंथन होना है। माना जा रहा है कि कई बड़े नेता इस बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं। ममता ने इसका समर्थन करते हुए कहा कि पूर्व व्यस्तता को देखते हुए वह किसी भी तरह इसमें शामिल नहीं हो रही है। चुनाव नतीजों के एक दिन बाद कांग्रेस को पछाड़ते हुए तीन हिंदी भाषी राज्यों को बीजेपी के खाते में डाल दिया गया, टीएमसी ने भारतीय मोर्चे का नेतृत्व करने का दावा किया।

पार्टी के बांग्ला भाषा के मुखपत्र जागो बांग्ला के संपादकीय में कहा गया है कि भाजपा विरोधी गठबंधन का नेतृत्व ऐसा व्यक्ति करना चाहिए जिसने भाजपा को कई बार हराया हो और उसके पास ऐसा करने का अनुभव हो। पार्टी नेतृत्व ने यह भी कहा कि कांग्रेस को अपनी गलतियों से सीखना चाहिए और क्षेत्रीय नेताओं को उचित सम्मान देना चाहिए। बाद में शाम को टीएमसी ने दावा किया कि उसे कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा बुलाई गई बैठक के बारे में कोई निमंत्रण नहीं मिला है। पार्टी सूत्रों ने कहा कि अगर निमंत्रण आया तो वे प्रतिनिधि भेजने पर फैसला करेंगे। सोमवार को विधानसभा को संबोधित करते हुए, ममता ने भाजपा के हाथों कांग्रेस की हार पर भी विस्तार से बात की और कहा कि पार्टी तेलंगाना की तरह मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी जीत हासिल कर सकती थी, अगर वह सीट-बंटवारे के सुझाव पर सहमत होती। यह सच है कि भारत की छोटी पार्टियों ने कुछ वोट काटे, जिससे बीजेपी को मदद मिली कांग्रेस हार गई क्योंकि वोट बंट गए। जागो बांग्ला के संपादकीय में, जिसका शीर्षक सोमॉयर डाक (समय की पुकार) है, कहा गया है कांग्रेस को यह ध्यान रखना चाहिए कि यह तृणमूल ही है जो भाजपा के खिलाफ बहादुरी से लड़ रही है, और हर बार उसके खिलाफ जीत रही है। पीएम, एचएम (गृह मंत्री) और एक दर्जन भाजपा नेताओं ने बंगाल में प्रचार किया लेकिन ममता बनर्जी को हरा नहीं सके। यही कारण है कि वे जांच एजेंसियों का उपयोग करके गोएबल्सियन रणनीति का उपयोग कर रहे हैं।

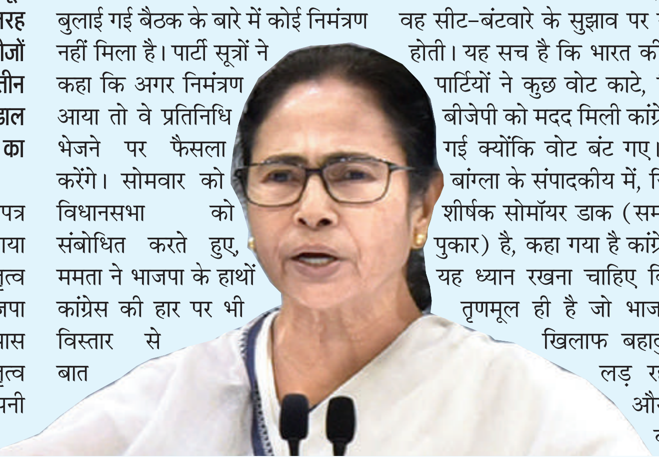

धर्मनिरपेक्ष ताकतों के साथ संयुक्त रैलियां करें : कुणाल

टीएमसी के राज्य सचिव और प्रवक्ता कुणाल घोष ने बताया ममता बनर्जी सात बार की सांसद हैं, जो दो बार केंद्रीय रेल मंत्री रहीं और तीन बार सीएम रहीं। उसके पास व्यापक अनुभव है, उन्हें और क्षेत्रीय दलों के अन्य अनुभवी नेताओं को (लोकसभा चुनाव में) सबसे आगे रहना चाहिए। वह लंबे समय से राज्यों में एक संचालन समिति और धर्मनिरपेक्ष ताकतों के साथ संयुक्त रैलियों की आवश्यकता पर प्रकाश डालती रही हैं। कुछ नही हुआ। उन्हें (कांग्रेस को) मध्य प्रदेश में सपा को कुछ सीटें देनी चाहिए थीं। हालांकि, अभी भी गुंजाइश है।

अहंकार को किनारे कर एकजुट हों : अभिषेक

मीडिया से बात करते हुए, सांसद और टीएमसी के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि हमारे पास वास्तव में समय की कमी है। इसलिए, यह बेहतर होगा यदि हम (भारत ब्लॉक) एक साथ मिलकर रचनात्मक रूप से काम करें। राजनीतिक अहंकार को किनारे रखते हुए उन लोगों को लड़ने का मौका दिया जाना चाहिए जो अपने क्षेत्र में मजबूत और सक्षम हैं... जो लोग इस चुनाव में हार गए हैं उन्हें सबक लेना चाहिए और कमियों को ठीक करना चाहिए, सभी पार्टियों का भविष्य जनता तय करेगी और किसी नेता या पार्टी द्वारा नहीं।अभिषेक ने यह भी कहा मैं किसी को दोष नहीं देना चाहता, लेकिन मैं कहूंगा कि कई पीसीसी और राज्य कांग्रेस नेता आत्मसंतुष्टि और अहंकार से पीड़ित हैं। वे योग्य लोगों को अवसर नहीं दे रहे हैं। टीएमसी नेतृत्व के मुताबिक, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपने दम पर लड़ते हुए कांग्रेस की हार, इंडिया ब्लॉक के लिए भी अच्छी है।

संक्षिप्त खबरें

जम्मू-कश्मीर में आठ जगहों पर एनआईए का छापा

जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को आतंकी फंडिंग मामले में जम्मू-कश्मीर में आठ स्थानों पर छापेमारी की। सूत्रों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के साथ कश्मीर में सात और जम्मू में एक स्थान पर छापेमारी अभी भी जारी है। एजेंसी के अधिकारी कश्मीर घाटी के जिला शोपियां और बारामुला समेत अन्य इलाकों में छापेमारी कर रहे हैं। जिन स्थानों की तलाशी ली गई उनमें मामले से जुड़े संदिग्धों के निवास और अन्य ठिकाने शामिल हैं। यह छापेमारी केंद्रीय एजेंसी द्वारा कश्मीर में सक्रिय आतंकवादियों को ड्रोन के माध्यम से हथियारों की डिलीवरी से जुड़े पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार करने के कुछ दिनों बाद की गई है। एनआईए जम्मू शाखा की एक टीम द्वारा 27 नवंबर को जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के 22 वर्षीय जाकिर हुसैन को पकड़ने के बाद एजेंसी ने 29 नवंबर को इनपुट साझा किया। इस मामले में अबतक आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पहले गिरफ्तार किए गए सात आरोपियों में से एक की न्यायिक हिरासत में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई है। कश्मीर घाटी और पूरे भारत में आतंक और हिंसा की घटनाओं को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी समूहों की बड़ी साजिश का पर्दाफाश करने के लिए एनआईए इस मामले में अपनी जांच जारी रखे हुए है।

एक बार फिर खराब हुई दिल्ली की हवा, 400 के करीब पहुंचा एक्यूआई

नई दिल्ली। दिल्ली वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मंगलवार सुबह 380 पर बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। राष्ट्रीय राजधानी पिछले कुछ दिनों से गैस चैंबर में तब्दील हो गई है। हालात में सुधार लाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं लेकिन अब तक किसी तरह का बदलाव देखन को नहीं मिल रहा है। बारिश के प्रदूषण स्तर में गिरावट देखी गई थी लेकिन एक बार फिर हालात खराब हो गए। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, 5 दिसंबर (मंगलवार) सुबह तक दिल्ली का ओवरऑल एक्यूआई 380 दर्ज किया गया है, जो गंभीर श्रेणी में आता है। बीते सोमवार की सुबह दिल्ली में एक्यूआई 310 था, जिसके बाद काफी ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई है। एनसीआर में वायु प्रदूषण का स्तर 250 के नीचे देखा गया था, लेकिन मंगलवार को हवा में एक बार फिर प्रदूषण का असर दिख रहा है। नोएडा में एक्यूआई 260, ग्रेटर नोएडा में 280, गाजियाबाद में 250, फरीदाबाद में 260 और गुरुग्राम में एक्यूआई 290 दर्ज किया गया।

फोटो: सुमित कुमार

अभियान

लखनऊ। कुकरैल नदी के किनारे अवैध निर्माण ध्वस्त होंगे। लखनऊ जिला प्रशासन ने 2 दिन में अवैध निर्माण खाली करने के निर्देश दिये हैं। 7 दिसंबर से प्रशासन अभियान चलाएगा। पहले चरण में 44 कब्जों पर बुलडोजर चलेगा। विस्थापित लोगों को शिविर लगाकर पीएम आवास दिए जाएंगे। गौरतलब हो कि कुकरैल नदी के पुराने स्वरूप को लौटाने की कवायद तेजी से चल रही है।

अधिकारी ही लगा रहे नगर निगम को चूना

» आखिर कब हटेंगे निगम के घोटालेबाज बड़े अधिकारी

» 23 लाख का टैक्स 2 लाख कर दिया

मो. शारिक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम अधिकारियों की कारस्तानियां समय-समय पर सुर्खियों में आती रहती है। इस बार ताजा मामला जोन पांच के आरआई से संबंधित है। ऐसा चौंकाने वाला मामला जोन 5 में आया है।

इसमें आरआई ने गुरुनानक वार्ड में स्थित मोहल्ला हरिहर प्रसाद नगर भवन संख्या 551/झा 006 के बकाया गृहकर 23 लाख को 2 लाख कर नगर निगम को चूना लगा दिया। इस तरह की खबरें आती रहती हैं। पर नगरनिगम के अधिकारी अनेदखी कर देते हैं जब ममाला बढ़ता है तो आनन फानन में जांच की बात कह कर पीछे हट जाते हैं।

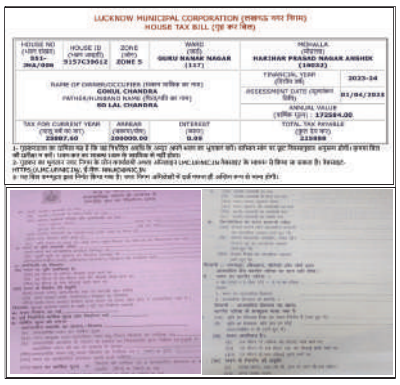

बिना चढ़ावे के नहीं होता काम

कुछ दिन पहले भी नगर निगम में इस तरह के मामलों में राजस्व अधिकार भ्रष्टाचार में पकड़े गए। ऐसी चर्चा है कि गृहकर/नामांतरण की प्रक्रिया में बाबू तक भ्रष्टाचार में लिप्त है। गृहकर के पीले और लाल फॉर्म पर कर अधीक्षक, जोनल अधिकारी को बिना चढ़ावा चढ़ाए फाइल को आगे नहीं बढ़ाते।

मौके पर भेजी टीम : जोनल अधिकारी

जोन-5 की जोनल अधिकारी संगीता का कहना है कि पिछले कुछ सालों से गलत चला आ रहा था। जिसकी वजह से टैक्स जमा नही हो पा रहा था। जिसके बाद उन्होंने मौके पर टीएस और टीम को भेजकर सर्वे कराया गया उसी के हिसाब से टैक्स लगाया गया।

भाजपा सरकार की नीति का एक और हुआ शिकार

बीईओ की डांट से शिक्षक ने गवांई जान

» सुल्तानपुर का है मामला

» शिक्षक संगठन भड़के, कार्यालय घेराव की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीजेपी सरकार की गलत नीतियों की वजह से एक और शिक्षामित्र ने अपनी जान से हाथ धो लिया। यह कोई पहली घटना नहीं है इससे पहले भी प्रदेश में कई शिक्षा मित्र अपनी जान गवां बैठे हैं। दरअसल मामला सुल्तानपुर का है,जहां खंड शिक्षाधिकारी की डांट से क्षुब्ध होकर जहर खाने वाले शिक्षक सूर्य प्रकाश द्विवेदी की रात तीन बजे मौत हो गई।

इस खबर ने शिक्षकों का गुस्सा भड़का दिया है। मृत शिक्षक के घर शिक्षकों से लेकर शिक्षामित्रों और जनप्रतिनिधियों का भी जमावड़ा लग रहा है। इससे अधिकारी बैकफुट पर हैं। वहीं काशी प्रांत के पूर्व भाजपा महामंत्री वरिष्ठ भाजपा नेता रामचंद्र मिश्र ने इस घटना पर नाराजगी जताते हुए बेसिक शिक्षा महानिदेशक विजय किरन आनंद से बात की और उन्हें सारे प्रकरण से वाकिफ कराया। बताया जाता है कि शनिवार को खंड शिक्षा अधिकारी मनोजीत राव ने उनके विद्यालय का औचक निरीक्षण किया था। उस दौरान सूर्य प्रकाश द्विवेदी प्रार्थना पत्र देकर अपने बीमार बेटे का उपचार करने चले गए थे।

हत्या की एफआईआर की मांग

दोपहर दो बजे आरोपी खंड शिक्षा अधिकारी कुड़वार के कार्यालय के घेराव की तैयारी चल रही है। जिसमें बीईओ पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग की जाएगी। परिजन और ग्रामीण भी इस घटना से बेहद आंदोलित हैं। क्योंकि शिक्षक सूर्यप्रकाश द्विवेदी अपने क्षेत्र में मृदु व्यवहार के कारण बेहद लोकप्रिय थे। उन्होंने अस्पताल में भर्ती कराए जाने के दौरान एक डायरी पर नोट भी लिखा है जिसमें खंड शिक्षाधिकारी पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप भी लगाया है।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के साथ भी किया था मंच साझा

कुड़वार ब्लॉक के रवनीया पूरे चित्ता प्राथमिक विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक सूर्य प्रकाश द्विवेदी बल्दीराय थाने के केवटली गांव के रहने वाले हैं। जिन्हें पूरे जिले में अच्छे मंच संचालन के लिए भी जाना जाता है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत अनेक नेताओं के साथ वे मंच साझा किया करते थे।

बीएसए के विश्वस्त हैं आरोपी बीईओ

जिन खंड शिक्षाधिकारी मनोजीत राव पर शिक्षक को धमकाने का आरोप लगा है। वे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपिका चतुर्वेदी के बेहद विश्वस्त बताए जाते हैं। यह भी कहा जाता है कि उनकी शह पर वे शिक्षकों से इस तरह का अभद्र व्यवहार किया करते थे। किंतु महानिदेशक शिक्षा की सख्ती के कारण शिक्षक संगठन भी खामोशी अख्तियार किए गए हुए थे। किंतु अब सारा गुस्सा भी फूट सकता है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।